विशाल इण्डिया

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

सच्चाई की राह पर!

वर्ष : 13 | अंक : 169 | गौतमबुद्धनगर, शनिवार 18 मई 2024 | पृष्ठ : 08 मूल्य : 02 रूपये | आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236

P- 3

नोएडा के लोगों को जाम से मिलेगी निजात

P- 4

बागपत में ट्रक की टक्कर से जुगाड़ में सवार मां-बेटी व भांजी की मौत

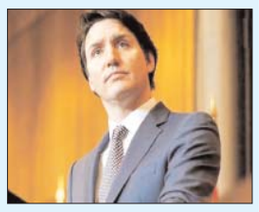

P- 5

कनाडा के पीएम की मुस्लिमों और यहूदियों में कम हुई लोकप्रियता

P- 6

आईपीएल प्ले ऑफ में जगह बनाने आरसीबी और सीएसके में होगी टक्कर

हैप्पी मॉर्निंग

कंजूस आदमी पंडित जी को कम पैसे देते हुए... कोई ऐसा उपाय बताइए कि पैसा ही पैसा हो जाए... पंडित जी- चिंता मत करो बालक एक ऐसा मंत्र बताउंगा जितनी बार बोलोगे उतनी बार धन की प्राप्ति होगी... रोज किसी चौक-चौराहे पर जाओ और बोलो भगवान के नाम पर दे दे रे बाबा।

शायरी

न मैं गिरा और न मेरी उम्मीदों के मीनार गिरे,
पर कुछ लोग मुझे गिराने में कई बार गिरे

अर्थसार

सेंसेक्स:
73,917.03
+253.31 (0.34%)
निफ्टी:
22,466.10
+62.25

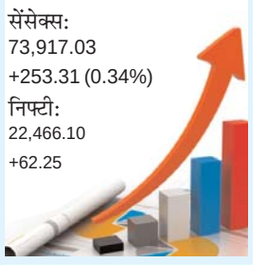

मौसम

अधिकतम : 44 डिग्री से0
न्यूनतम : 29 डिग्री से
सूयोदय रविवार : 5 : 33
सूर्यास्त शनिवार : 7 : 14

जमुई में सड़क हादसा 5 की मौत, 4 घायल

पेड़ से टकराई कार; दोनों के मुंडन संस्कार के लिए देवघर जा रहा था परिवार

जमुई। जमुई में शुक्रवार सुबह करीब चार बजे एक कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में जुड़वा भाई-बहन समेत पांच की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि चालक को नींद आने से हादसा हुआ। कार में कुल 9 लोग सवार थे, जिसमें से चार घायल हैं।

मृतकों में जुड़वा भाई-बहन और तीन महिला शामिल है। दोनों बच्चों के मुंडन संस्कार में परिवार देवघर जा रहा था। घायलों को देवघर रेफर किया गया है।

सभी लोग आरा के नवादा गांव से देवघर जा रहे थे। इसी बीच चकाई देवघर मुख्य मार्ग के बसबुटिया गांव स्थित राधाकृष्ण ढाबा के समीप घटना हो गई।

मृतकों की पहचान आरा जिले के नवादा थाना सहार निवासी नागेंद्र कुमार की पत्नी नेहा देवी (30), बेटी नंदनी कुमारी (5), बेटा अभिनन्दन कुमार (5) के रूप में हुई है। मृतक नेहा देवी की नानी बाबुनी देवी (75) की भी हादसे में मौत हो गई, जो रोहतास जिले के कचौन थाना क्षेत्र के साकिन कैथी की रहने वाली थी। वहीं, भोजपुर के साकिन कोयल निवासी सुमित्रा देवी (55) की भी मौत हुई है।

ड्राइवर को झपकी आने से हुआ हादसा

नागेंद्र राम अपने दोनों जुड़वा बच्चों अभिनंदन और नंदनी कुमारी का मुंडन कराने के लिए देवघर बाबाधाम जा रहे थे। रास्ते में चालक को नींद आ गई।

जिसके कारण कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। घायलों में मीना कुमारी पति बजरंजी यादव, आनंद कुमार पिता छद्दू यादव, चालक रोहित कुमार और पिता नागेंद्र कुमार के रूप में हुई है।

11 राज्यों में 22 मई तक हीटवेव

दिल्ली का नजफगढ़ सबसे गर्म, तापमान 47.4 पहुंचा; राजस्थान के 19 शहरों में पारा 45 पार

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने अगले 5 दिनों यानी 22 मई तक मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही पश्चिम बंगाल, ओडिशा, महाराष्ट्र, गुजरात में 20 तक हीटवेव की चेतावनी दी है। आईएमडी ने इन राज्यों में पारा 45 के पार जाने की संभावना भी जताई है।

दिल्ली के नजफगढ़ में पारा 47.4 दर्ज किया गया जो देश में सबसे ज्यादा रहा और हरियाणा के सिरसा में आज पारा 47.1एष्ट रहा।

इससे पहले अधिकतम तापमान पश्चिम बंगाल के कलाईकुंडा में पारा 30 अप्रैल को 47.2 दर्ज किया गया था। मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली के ही मुंगेशपुर में पारा 46.5 , आया नगर में 46.2 , पूसा-जाफरपुर में 45.9 पीतमपुरा में 45.8 और पालम में 45.1 दर्ज किया गया। राजस्थान के 19, हरियाणा के 18, दिल्ली की 8 और पंजाब की 2 जगहों पर आज पारा 45 के पार दर्ज किया गया।

कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में बारिश

तमिलनाडु के ऊटी में आज तेज बारिश हुई। मौसम विभाग ने 18 से 20 मई ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। तेज बारिश की संभावना जताई है। इसके चलते नीलगिरि डीएम ने 20 मई तक पर्यटकों को नीलगिरी आने से मना किया है। मौसम विभाग ने इस दौरान 6 से 20 सेमी बारिश होने की संभावना जताई है। डीएम ने 3500 लोगों की रेस्क्यू टीम, डिजास्टर मैनेजमेंट टीम को अलर्ट मोड पर रहने का आदेश दिया है। 450 टेम्परारी शेल्टर तैयार किए गए हैं। डीएम की जिले के लोगों से अपील है कि जरूरी काम न हो तो घरों से बाहर नहीं निकलें।

ट्रक में घुसी यूपी रोडवेज की बस, 5 महिलाओं की मौत

भरतपुर। भरतपुर के हलैना के पास नेशनल हाईवे पर जयपुर जा रही बस आगे चल रहे ट्रक में घुस गई। इस भीषण सड़क हादसे में 5 महिलाओं की मौत हो गई। 12 यात्री घायल हो गए हैं। हलैना थाना इंचार्ज बृजेंद्र शर्मा ने बताया- हादसा आज दोपहर 1: 30 बजे हुआ। घायलों को हलैना हॉस्पिटल लेकर गए। 13 में से 8 घायलों को भरतपुर के आरबीएम हॉस्पिटल रेफर किया गया है। 5 घायलों का इलाज हलैना हॉस्पिटल में चल रहा है। भरतपुर में इलाज के दौरान एक महिला की मौत हो गई। हादसे में बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। बस के ड्राइवर और कंडक्टर घायल हैं। ट्रक ड्राइवर फरार है। बस उत्तर प्रदेश (यूपी) परिवहन के अलीगढ़ डिपो की है। बस अलीगढ़ से जयपुर जा रही थी। ट्रक भी जयपुर की तरफ जा रहा था। उसमें लकड़ियां भरी हुई थीं। हादसे में ज्ञायल :निक्की जाट (28), रामू (35), संतोष (45), सूर्यप्रताप (21), राजू (27), मोहित (32), पप्पू (45), जीतेंद्र (25), अवनीश (35), तेजवीर (32), सुमित (26), एक बच्ची (3), एक बच्चा (1) पांच महिलाओं के शव हलैना सीएचसी की मॉर्च्युरी में रखवाए गए हैं।

अब नेपाल में एमडीएच-एवरेस्ट मसालों पर बैन लगा

कीटनाशक एथिलीन ऑक्साइड की जांच शुरू की, अप्रैल में सिंगापुर-हॉन्गकॉन्ग ने किया था बैन

नई दिल्ली। सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग के बाद अब नेपाल ने भी भारत के दो मसाला ब्रांड एवरेस्ट और एमडीएच की बिक्री, खपत और आयात पर रोक लगा दी है।

नेपाल के खाद्य प्रौद्योगिकी एवं गुणवत्ता नियंत्रण विभाग के प्रवक्ता मोहन कृष्ण महारजन ने न्यूज एजेंसी से कहा, नेपाल में आयात किए जा रहे एवरेस्ट और एमडीएच ब्रांड के मसालों के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। मसालों में हानिकारक केमिकल के अंश पाए जाने की खबर आने के बाद एक हफ्ते पहले आयात पर प्रतिबंध लगाया गया था और हमने मार्केट में भी इसकी बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है। इन दो ब्रांड्स के मसालों में केमिकल के लिए जांच चल रही है। अंतिम रिपोर्ट आने तक प्रतिबंध लागू रहेगा।

अप्रैल में सिंगापुर-हॉन्गकॉन्ग ने एवरेस्ट और एमडीएच के मसालों पर लगाया था बैन

इससे पहले अप्रैल महीने में सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग ने एमडीएच और एवरेस्ट दोनों कंपनियों के कुछ प्रोडक्ट्स में पेस्टिसाइड एथिलीन ऑक्साइड की लिमिट से ज्यादा मात्रा होने के कारण उन्हें बैन किया था। इन

प्रोडक्ट्स में इस पेस्टिसाइड की ज्यादा मात्रा से कैंसर होने का खतरा है।

हॉन्गकॉन्ग के फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने कहा था कि एमडीएच ग्रुप के तीन मसाला मिक्स- मद्रास करी पाउडर, सांभर मसाला पाउडर और करी पाउडर में एथिलीन ऑक्साइड की मात्रा ज्यादा पाई गई है। एवरेस्ट के फिश करी मसाला में भी यह कार्सिनोजेनिक पेस्टिसाइड पाया गया है।

भारतीय मसालों का रिजेक्शन रेट बेहद कम- वाणिज्य मंत्रालय

15 मई को वाणिज्य मंत्रालय ने कहा था कि भारतीय मसालों का रिजेक्शन रेट बेहद कम है। वहीं, निर्यात सैंपल की विफलता भी कम है। मंत्रालय के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा था, हमारी ओर से प्रमुख देशों को निर्यात किए गए मसालों की कुल मात्रा के मुकाबले अस्वीकृति दर 1 प्रतिशत से भी कम है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय रिकॉल और अस्वीकृति आंकड़ों पर नजर रखता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारी ने कहा था कि वित्त वर्ष 24 में भारत ने लगभग 14.15 मिलियन टन मसालों का निर्यात किया, जिसमें से केवल 200 किलोग्राम के मसाले की एक छोटी मात्रा को ही वापस मंगाया गया।

सुनवाई | याचिकाकर्ता नियमित जमानत के लिए ट्रायल कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकता है

केजरीवाल की गिरफ्तारी, ईडी हिरासत मामले में सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली अबकारी नीति में कथित घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से 21 मार्च को गिरफ्तार किये जाने और फिर ईडी की हिरासत को चुनौती देने वाली दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई पूरी होने के बाद शुक्रवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने केजरीवाल और ईडी की ओर से चार दिनों तक दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रखते हुए कहा कि याचिकाकर्ता इस बीच नियमित जमानत के लिए ट्रायल कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकता है।

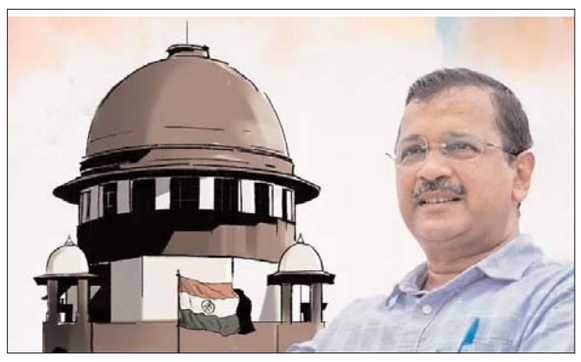

सुनवाई के दौरान पीठ के समक्ष ईडी ने दावा किया कि इस मामले में श्री केजरीवाल की ओर से 100 करोड़ रुपये की रिश्वत मांगने के प्रत्यक्ष सबूत हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू ने कहा, इस बात के सबूत हैं कि केजरीवाल ने 100 करोड़ रुपये की रिश्वत मांगी थी, जो गोवा चुनाव खर्च के लिए आप को दी गई थी।

गौरतलब है कि शीर्ष अदालत ने 10 मई को श्री केजरीवाल को एक जून तक चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत दे दी थी।

पीठ ने सुनवाई के दौरान मामले से संबंधित दस्तावेज देखे और ईडी से यह दिखाने के लिए एक चार्ट प्रस्तुत करने को कहा कि दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद श्री केजरीवाल को गिरफ्तार करने के फैसले को सही ठहराने के लिए कौन से नए सबूत सामने आए हैं।

केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी की ओर से पेश श्री राजू ने अदालत को बताया कि एजेंसी ने शराब मामले में आठवें आरोपपत्र में औपचारिक रूप से आम आदमी पार्टी और श्री केजरीवाल को दिल्ली अबकारी नीति मामले में आरोपी बनाया है।

राजू के अलावा ईडी की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भी अदालत के समक्ष दावा किया कि उसने पैसे के हस्तांतरण से संबंधित मामले में अपराध की कथित आय के संबंध में केजरीवाल और कुछ हवाला ऑपरेटरों के बीच कथित चैट का पता लगाया है।

किसान की 36 बार चाकू से गोदकर हत्या

मर्डर के बाद शादी में दावत उड़ाई; दो आरोपी गिरफ्तार

उज्जैन। उज्जैन के माकड़ोन में किसान की हत्या के आरोप में शुक्रवार को पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। खेत में सोते समय आरोपियों ने किसान को 36 बार चाकू से गोदकर मार डाला था। मर्डर के बाद दोनों आरोपी शादी में चले गए और वहां दावत उड़ाते रहे। घटना बुधवार रात सुमराखेड़ी गांव की है। गुरुवार सुबह बुजुर्ग किसान का शव खेत में मिला था। आरोपियों से पूछताछ में पता चला है कि किसान ने खेत से सब्जी चुराने पर एक युवक को घटना से एक दिन पहले डंडा मार दिया था, दूसरे युवक से भी उनका पुराना विवाद चल रहा है। एडिशनल एसपी पल्लवी शुक्ला ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल पर एक्टिव मोबाइल की जानकारी निकाली। मौके पर सुमराखेड़ी गांव के ही सुरेश और दिनेश मोंगिया के मोबाइल एक्टिव मिले। पुलिस ने दोनों को पकड़कर पूछताछ की। उन्होंने कहा कि वे तो शादी में थे। सख्ती करने पर दोनों टूट गए। बताया कि किसान रामलाल सिंह (60) से 3 साल से रंजिश है।

कर्नाटक सेक्स स्कैंडल- एचडी रेवन्ना को अंतरिम जमानत मिली

जेडीएस विधायक का दावा- रेप के आरोप बेटे प्रज्वल के खिलाफ

बेंगलुरु। बेंगलुरु की एक अदालत ने गुरुवार (17 मई) को जनता दल (सेक्युलर) विधायक और कर्नाटक के पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना को सेक्शुअल हैरेसमेंट केस में अंतरिम जमानत दे दी।

इससे पहले 14 मई को एचडी रेवन्ना को एमपीएमएलए कोर्ट से भी कर्नाटक सेक्स स्कैंडल से जुड़े किडनैपिंग केस में सशर्त जमानत मिल चुकी है।

जेडीएस विधायक ने गुरुवार को यौन उत्पीड़न मामले में जमानत याचिका लगाई थी। इसमें रेवन्ना ने दावा किया कि रेप के आरोप बेटे प्रज्वल के खिलाफ हैं, उनके खिलाफ नहीं।

एसआईटी बोली- रेवन्ना की जमानत याचिका खारिज हो

कर्नाटक सरकार की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम ने तर्क दिया कि अदालत को एचडी रेवन्ना की जमानत याचिका खारिज कर देनी चाहिए। एसपी जयना कोठारी ने रेवन्ना की न्यायिक हिरासत की मांग की है।

विशेष लोक अभियोजक ने कोर्ट में कहा कि रेवन्ना जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं, इसलिए उन्हें न्यायिक हिरासत में वापस भेजा जाए। हालांकि, रेवन्ना के वकील अरुण ने कहा कि उनके खिलाफ जमानती मामला दर्ज है।

एचडी रेवन्ना और उनके बेटे प्रज्वल रेवन्ना को उनके घर में काम करने वाली महिला की शिकायत के बाद यौन उत्पीड़न और धमकी के आरोप हैं।

कर्नाटक सरकार की बनाई एसआईटी इसकी जांच कर रही है।

4 मई को गिरफ्तारी, 10 दिन बाद जमानत

एचडी रेवन्ना को अश्लील वीडियो केस से जुड़े किडनैपिंग केस में 4 मई को गिरफ्तार किया गया था। बाद में स्पेशल एमपी-एमएलए कोर्ट ने 14 मई को उनकी सशर्त जमानत मंजूर करते हुए परप्पाना अग्रहारा जेल से रिहा करने के आदेश दिए थे। जज ने रेवन्ना को 5 लाख रुपए के मुचलके पर जमानत दी। कोर्ट में रेवन्ना को दो निजी जमानतदार भी पेश करने पड़े। अदालत ने रेवन्ना को एसआईटी जांच में सहयोग करने और सबूतों को नष्ट या छेड़छाड़ नहीं करने का भी निर्देश दिया है। एचडी रेवन्ना, देवगौड़ा परिवार के पहले सदस्य हैं, जिन्हें किसी केस में गिरफ्तार करके जेल भेजा गया था।

जलवायु परिवर्तन और बढ़ता तापमान

जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक चुनौती है, जिसने पूरे विश्व के पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक ढांचे को प्रभावित किया है। बढ़ते तापमान और इससे जुड़ी समस्याएं न केवल मानव जीवन को, बल्कि पूरे पारिस्थितिक तंत्र को खतरे में डाल रही हैं।

जलवायु परिवर्तन से तात्पर्य है, दीर्घकालिक अवधि में मौसम की पैटर्न में होने वाले बदलाव। इसमें तापमान, वर्षा, हवाओं और अन्य मौसम संबंधी गतिविधियों में परिवर्तन शामिल हैं। जलवायु परिवर्तन के मुख्य कारण हैं

ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन : कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन, नाइट्रस ऑक्साइड, और अन्य ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन, जो मुख्यत: जीवाश्म ईंधन के जलने से उत्पन्न होती हैं।

वनों की कटाई : वृक्ष वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं। वनों की कटाई से यह प्राकृतिक संतुलन बिगड़ता है, जिससे वातावरण में अधिक कार्बन डाइऑक्साइड एकत्रित होती है।

औद्योगिक गतिविधियाँ : फैक्ट्रियों, बिजली संयंत्रों, और अन्य औद्योगिक गतिविधियों से भारी मात्रा में ग्रीनहाउस गैसें उत्सर्जित होती हैं।

परिवहन : वाहनों से निकलने वाला धुआं भी ग्रीनहाउस गैसों का एक महत्वपूर्ण स्रोत है।

बढ़ते तापमान के प्रभाव

बढ़ते तापमान के प्रभाव वैश्विक स्तर पर महसूस किए जा रहे हैं और ये प्रभाव विभिन्न क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न रूपों में दिखाई देते हैं। इनमें से कुछ प्रमुख प्रभाव निम्नलिखित हैं

ग्लेशियरों का पिघलना : तापमान वृद्धि के कारण हिमालय, आर्कटिक और अंटार्कटिक के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे समुद्र स्तर में वृद्धि हो रही है।

समुद्री स्तर में वृद्धि : ग्लेशियरों के पिघलने और गर्मी के कारण समुद्र का पानी फैलने से समुद्र स्तर बढ़ रहा है, जिससे तटीय क्षेत्रों में बाढ़ और भूमि क्षरण की समस्याएं बढ़ रही हैं।

प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति और तीव्रता में वृद्धि-बढ़ते तापमान के कारण चक्रवात, तूफान, बाढ़, और सूखा जैसी प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति और तीव्रता में वृद्धि हो रही है।

जैव विविधता पर प्रभाव : तापमान वृद्धि से वन्य जीव-जंतुओं और पौधों की प्रजातियों के आवास समाप्त हो रहे हैं, जिससे जैव विविधता को गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा है।

स्वास्थ्य पर प्रभाव : तापमान वृद्धि से गर्मी से संबंधित बीमारियों, जैसे हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन की घटनाएं बढ़ रही हैं। साथ ही, मलेरिया और डेंगू जैसी बीमारियों के प्रसार में भी वृद्धि हो रही है।

कृषि पर प्रभाव : तापमान वृद्धि और मौसम में अनियमितता से फसल उत्पादन में कमी आ रही है, जिससे खाद्य सुरक्षा पर खतरा उत्पन्न हो रहा है।

जलवायु परिवर्तन और बढ़ते तापमान की समस्या एक वैश्विक चुनौती है, जिसका समाधान सभी देशों और समाज के हर वर्ग के सहयोग से ही संभव है। इसके लिए हमें न केवल तकनीकी और वैज्ञानिक उपायों को अपनाना होगा, बल्कि हमारे जीवनशैली में भी आवश्यक बदलाव लाने होंगे।

जागरूकता, शिक्षा, और सक्रियता से हम इस गंभीर समस्या का सामना कर सकते हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और स्वस्थ पर्यावरण सुनिश्चित कर सकते हैं।

मृत्यु भोज देना या उसमें भाग लेना दंडनीय अपराध है!-जाना पड़ सकता है जेल!

राजस्थान मृत्यु भोज निवारण अधिनियम 1960 के तहत मृत्यु भोज कानून दंडनीय है

पारिवारिक सदस्य की मृत्यु पर 13 दिवसीय शोक पर मृत्यु भोज कुरीति/रीति या फिर धार्मिक संस्कार इसपर बहस छिड़ी-राष्ट्रीय स्तरपर इसका समाधान होना ज़रूरी- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर दुनियां में भारत ही एक ऐसा देश है जहां हजारों समाज, लाखों जातियां, उपजातियां धर्म व आध्यात्मिक आस्था की जड़ कहा जाता रहा है, जिसकी गिनती विदेशो में भारतीय खूबसूरती की विशेषताओं में से एक है। कई सैलानी इस अनोखी व्यवस्था को देखनें ही भारत यात्रा पर आते हैं और कहते हैं काबिल-ए-तारीफ़! इसी कारण ही भारत धर्मनिरपेक्ष देश की ताक़त से प्रसिद्ध है। भारतीय रीति रिवाज को हर समाज स्तर पर अलग अलग रूप से लागू किया जाता रहा है,परंतु बहुत सीत्र्वृतियां और रिवाज ऐसे हैं जो करीब करीब हर समाज जाति में कॉमन है, उन्हें में से एक है परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु हो जाने पर उस परिवार में 13 दिवसीय शोक मनाया जाता है तथा अंतिम दिन को, 13 वीं या 12 वीं दिन के रूप में अंतिम दिन मृत्यु भोज दिया जाता है, जिसे समाज स्तर व पारिवारिक व रिश्तेदारों के लोग शामिल होते हैं। परंतु समय के बदलते परिपेक्ष में आजकल समय अभाव के कारण समाज में अपने-अपने समय अनुसार मृत्यु भोज दिया जाता है, तो अनेक समाजों में यह मृत्यु भोज केवल पारिवारिक व रिश्तेदारी तक सीमित कर दिया गया है, जो कि इस प्रकार के नियम समझो कि पंचायत द्वारा ही बनाए गए हैं, जो मेरा मानना है कि काफी हद तक उचित भी हैं। हमारी राइस सिटी गोंदिया नगरी के हमारे पूरे समाज के अध्यक्ष श्री नारायण सच्चानंद चांदवानी सर जी से इस मृत्यु भोज के विषय पर मेरी लंबी चर्चा हुई तो, उन्होंने कहा हमारे समाज में मृत्यु भोज प्रतिबंधित है परंतु समाज के लोग अपने परिवार और रिश्तेदारों तक सीमित रूप से मृत्यु भोज की रस्म करते रहते हैं। यह चर्चा आज हम इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि मुझे आज 17 मई 2024 को एक महिला ने डिस्पोजल शॉप पर बताया कि उसके पति की मृत्यु हो गई है, वह उसकी 13 वीं में मृत्यु भोज कर रहे हैं। पूरे 13 दिवसीय शोक में एक लाख रुपए से अधिक खर्च आ गया है, व मृत्यु भोज पर भी करीब 40-50 हज़ार रुपए खर्च होगा। उन्होंने कहा कि वह यह मृत्यु भोज नहीं करना चाहती है परंतु कुछ समाज के लोगों ने कहा इससे समाज वाले उंगली उठाएंगे, बदनाम करेंगे, व सामाजिक प्रतिष्ठा कम होगी! इसलिए मैं यह सब कर रही हूं। बस! इसलिए मैंने आज इस विषयपर आर्टिकल लिखनेकी सोचा औरमैंने फिर इस पर रिसर्च शुरू की तो, मुझे राजस्थान मृत्यु भोज निवारण अधिनियम 1960 मिला, जिसके तहत मृत्यु भोज देना या उसमें भाग लेना दंडनीय अपराध है, जेल जाना पड़ सकता है। उसमें 1 साल की सजा वह 1000 रुपए जुर्माना की सजा है।

दुसरा 13 दिसंबर 2023 तारीख़ की राजस्थान पुलिस की एक सोशल मीडिया पर पोस्ट मिली जिसमें लिखा था, मृत्यु भोज करने और उसमें शामिल होना कानूनं दंडनीय अपराध है। मानवीय दृष्टिकोण से भी यह आयोजन अनुचित है, इसलिए आओ मिलकर इस कुरीति को समाज के से दूर करें, इसका विरोध करे।चूंकि राजस्थान मृत्यु भोज निवारण अधिनियम 1960 के तहत मृत्यु भोज कानून दंडनीय अपराध है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे पारिवारिक सदस्य की मृत्यु पर 13 दिवसीय शौक पर मृत्यु भोज को कुरीति/रीति/धार्मिक संस्कार पर बस छिड़ी। राष्ट्रीय स्तरपर इसका समाधान होना जरूरी है।

साथियों बात अगर हम मृत्यु भोज की करें तो, हिंदू परिवारों में मृत व्यक्ति की आत्मा की शांति के लिए परिजन अंतिम संस्कार के बाद विधि विधान से तेरह दिन पर तेरहवीं के रूप में मृत्यु भोज रखते हैं, मगर राजस्थान पुलिस का फरमान देख लगता है कि यह लोगों का अधिकार नहीं बल्कि अपराध है। राजस्थान पुलिस ने 13 दिसंबर की सुबह सोशल साइट एक्स पर पोस्ट किया था - मृत्यु भोज करना और उसमें शामिल होना कानूनन दंडनीय है। मानवीय दृष्टिकोण से भी यह आयोजन अनुचित है,तो क्या किसी को भोज दे ही नहीं ?असल में मृत्यु भोज ऐक्ट आज का नहीं है, यह 1960 से है। इसमें साफ लिखा है कि मृत्यु भोज देना या उसमें भाग लेना दंडनीय अपराध है। सजा के रूप में एक साल तक का या एक हजार रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। इसमें साफ है कि धार्मिक संस्कार के तहत रखे गए भोज में सौ से ज्यादा लोगों की संख्या नहीं होनीचाहिए। एक्ट बने इतने साल बीत गए मगर हकीकत यह है कि लोग इसके बारे में जानते भी नहीं। राजस्थान पुलिस के ट्वीट पर भी कई लोगों की प्रतिक्रिया थी कि क्या ऐसा भी कोईकानून है।

ऐसा कहने वाले भी कम नहीं थे कि यह उनका निजी विषय है। एक ने एक्स पर लिखा-ऐसे हिंदू विरोधी क़ानून बंद करें। यह हिंदू धर्म के लिए ठीक नहीं। इसमें कोई जबरदस्ती नहीं होती। हर इंसान अपनी हैसियत के हिसाब से ही करता है। तो कुछ लोगों ने इसके समर्थन में भी पोस्ट किया। एक ने लिखा-हमारे यूपी में भी ऐसा कानून होना चाहिए! मरने के बाद धर्म संकट में डालकर लूटने वालों की दुकानों पर ताला लगना चाहिए !राजस्थान में कुरीति बन चुकी है मृत्यु भोज ?लोगों के तर्क से बड़ा सवाल यह उठता है कि क्या शोकाकुल परिजनों को मृत्यु भोज के लिए धर्म संकट में डाला जाता है ? राजस्थान से ताल्लुक रखने वाले वरिष्ठ पत्रकार ने सबसे पहले पुलिस को ट्रोल करने वालों को जवाब दिया। वह बताते हैं- ट्रोल करने वालों में ज्यादातर लोग प्रदेश के बाहर के हैं। शायद इन्हें नहीं पता होगा कि राजस्थान में नुकता यानी मृत्युभोज कितनी बड़ी कुरीति रही है। राजस्थान में शादियों में ढाई-तीन हजार लोगों को आमंत्रित किया जाता है और मृत्युभोज में भी इतनी ही तादाद में भोज कराने का दबाव रहता है। बेशक खाने के आइटम शादी के मुकाबले थोड़े कम होते हैं। यहां तक कि अगर घर में किसी युवा शख्स की मौत होती है तो भी इतना बड़ा भोज करने का दबाव रहता है। यह आर्थिक रूप से कमजोर परिवार को भावनात्मक और आर्थिक रूप से बहुत कमजोर कर देता है। कई बार तो कर्ज लेना पड़ जाता है। पुलिस की कानूनी बंदिश यह कहती है कि आप सौ-सवा सौ से ज्यादा लोगों को भोज न दें।

साथियों बात अगर हम राजस्थान मृत्यु भोज निवारण अधिनियम 1960 की मुख्य धाराओं की करें तो, परिभाषा - इस अधिनियम में, जब तक कि विषय या संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,-(ए) मृत्यु भोज का अर्थ है किसी व्यक्ति के निधन के अवसर पर या उसके संबंध में किसी भी अंतराल पर आयोजित या दी जाने वाली दावत और इसमें एक नुक्ता, एक मोसर और एक चहल्लुम शामिल है,और(बी) मृत्यु भोज आयोजित करने या देने% में तैयार या बिना तैयार भोजन की वस्तुओं का वितरण शामिल है, लेकिन इसमें धार्मिक या धर्मनिरपेक्ष संस्कारों के पालन में परिवार के लोगों या पुरोहित वर्ग के व्यक्तियों या फागीरों को खाना खिलाना शामिल नहीं है, जो कि इससे अधिक नहीं है। कुल मिलाकर सौ व्यक्तियों की संख्या।(3) मृत्यु भोज का निषेध- राज्य में कोई भी व्यक्ति मृत्यु भोज आयोजित नहीं करेगा, न देगा, न शामिल होगा, न ही भाग लेगा।(4) धारा 3 के उल्लंघन के लिए सजा- जो कोई भी धारा 3 के प्रावधानों का उल्लंघन करता है या ऐसे किसी भी उल्लंघन को करने के लिए उकसाता है, उकसाता है या सहायता करता है, उसे एक अवधि के लिए कारावास की सजा हो सकती है, जिसे एक वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है, या एक हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है, या दोनों के साथ।(5) निषेधाज्ञा जारी करने की शक्ति- यदि धारा 4 के तहत दंडनीय अपराध का संज्ञान लेने में सक्षम न्यायालय इस बात से संतुष्ट है कि इस अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए मृत्यु भोज की व्यवस्था की गई है या होने वाली है या दी जाने वाली है तो ऐसी अदालत आयोजन पर रोक लगाने के लिए निषेधाज्ञा जारी कर सकती है या ऐसे मृत्यु भोज देना (6) धारा 5 के तहत निषेधाज्ञा की अवज्ञा के लिए सजा- जो कोई भी, यह जानते हुए कि धारा 5 के तहत एक आदेश जारी किया गया है, ऐसे निषेधाज्ञा की अवज्ञा करेगा, उसे एक अवधि के लिए कारावास, जिसे एक वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है, या जुर्माना, जो एक हजार रुपये तक बढ़ाया जा सकता है, या दोनों से दंडित किया जाएगा।इस अधिनियम की धारा 5 के तहत जारी हस्ताक्षर के किसी भी उल्लंघन पर एक वर्ष या पांच रुपये तक की सजा का प्रावधान किया गया है।1000/ - या दोनों (7) सरंपच आदि जानकारी देने के लिए बाध्य

(1) राजस्थान पंचायतअधिनियम 1953 (1953 का राजस्थान अधिनियम 21) के तहत स्थापित ग्राम पंचायत के सरपंच और प्रत्येक पंच और प्रत्येक पटवारी और लंबरदार धारा 4 या के तहत दंडनीय अपराध का संज्ञान लेने के लिए सक्षम निकटतम मजिस्ट्रेट को तुरंत सूचित करने के लिए बाध्य होंगे। धारा 6 कोई भी जानकारी जो उसके अधिकार क्षेत्र की स्थानीय सीमा के भीतर ऐसे अपराध को करने या करने के इरादे के संबंध में उसके पास हो।(2) ऐसे किसी भी सरपंच, पंच, पटवारी या लंबरदार को उप-धारा (1) के तहत आवश्यक जानकारी देने में विफल रहने पर तीन महीने तक की कैद या जुर्माना या दोनों से दंडित किया जा सकता है।यह धारा सरपंच और प्रत्येक पंच या ग्राम पंचायत, पटवारी और लंबरदार के लिए धारा 6 में से 5 के तहत अपराध की जानकारी निकटतम प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट को देना अनिवार्य बनाती है, यदि वह ऐसा करने में विफल रहता है तो उसे दंडित भी किया जा सकता है और इस धारा के तहत दोषी ठहराए जाने पर 3 महीने तक की सजा या जुर्माना या दोनों।(8) पैसा उधार लेने या उधार देने पर रोक(1) कोई भी व्यक्ति मृत्यु भोज आयोजित करने या देने के उद्देश्य से किसी अन्य व्यक्ति से धन या सामग्री उधार नहीं लेगा या उधार नहीं देगा।(2)इस जानकारी के साथ या यह विश्वास करने का कारण होने पर कि दिए गए ॠण का उपयोग मृत्यु भोज रखने या देने के उद्देश्य से किया जाएगा, दिए गए ॠण के पुनर्भुगतान के लिए प्रत्येक समझौता शून्य होगा और कानून की अदालत में लागू नहीं किया जाएगा।(9) अपराध का क्षेत्राधिकार और संज्ञान- प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट के अलावा कोई भी अदालत इस अधिनियम के तहत दंडनीय किसी भी अपराध का संज्ञान नहीं लेगी, या उस पर मुकदमा नहीं चलाएगी।(10) अभियोजन के लिए परिसीमा- कोई भी अदालत इस अधिनियम के तहत किसी भी अपराध का संज्ञान उस तारीख से एक वर्ष की समाप्ति के बाद नहीं लेगी जिस दिन अपराध होने का आरोप लगाया गया है।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि मृत्यु भोज देना या उसमें भाग लेना दंडनीय अपराध है!- जाना पड़ सकता है जेल !राजस्थान मृत्यु भोज निवारण अधिनियम 1960 के तहत मृत्यु भोज कानून दंडनीय है।

टाईम पास

विस्थापन की समस्या दूर करने के लिए दीर्घकालिक समाधान की जरूरत

अब जिनेवा स्थित आंतरिक विस्थापन निगरानी केंद्र यानी आइडीएमसी की ताजा रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि सन 2023 में दक्षिण एशिया में कुल उनहत्तर हजार लोगों को विस्थापन का दंश झेलना पड़ा। इसमें अकेले मणिपुर से सड़सठ हजार लोग विस्थापित हुए।

दुनिया भर में हर वर्ष लाखों लोग विस्थापित होते हैं और उन्हें अकथनीय मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। मगर इक्कीसवीं सदी का सफर तय करते विश्व में भी ऐसी ठोस पहलकदमी नहीं दिखाई देती जिसमें अपनी जड़ों से उखाड़ दिए गए लोगों के दुख पर गौर किया जा सके और एक दीर्घकालिक समाधान का रास्ता तैयार हो। यह बेवजह नहीं है कि आज भी अलग-अलग देशों से बड़ी संख्या में लोग अपना घर-बार छोड़ कर दूसरी जगहों पर जाने पर मजबूर कर दिए जाते हैं। अक्सर आने वाली रिपोर्टों में इस समस्या की जटिलताओं की ओर ध्यान दिलाया जाता रहा है, लेकिन अब तक विस्थापन का सिलसिला बदस्तूर कायम है। अब जिनेवा स्थित आंतरिक विस्थापन निगरानी केंद्र यानी आइडीएमसी की ताजा रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि सन 2023 में दक्षिण एशिया में कुल उनहत्तर हजार लोगों को विस्थापन का दंश झेलना पड़ा। इसमें अकेले मणिपुर से सड़सठ हजार लोग विस्थापित हुए। यानी दक्षिण एशिया के सभी देशों में जितने लोगों को अपने ठौर से उजड़ना पड़ा, उसमें सत्तानबे फीसद लोग मणिपुर के हैं। गौरतलब है कि सन 2018 के बाद यानी पिछले पांच वर्षों में भारत में हुआ यह सबसे बड़ा विस्थापन है। देश के अन्य इलाकों में जहां बाढ़ या अन्य प्राकृतिक आपदा और रोजी-रोटी जैसी वजहों से लोगों को दूसरी जगहों की ओर अपने जीने के रास्ते की खोज में निकलना पड़ा, वहीं मणिपुर में हुई व्यापक हिंसा ने वहां हजारों लोगों को विस्थापित होने पर मजबूर कर दिया। आइडीएमसी ने अपनी रिपोर्ट में इस बात का उल्लेख किया है कि मार्च 2023 में मणिपुर उच्च न्यायालय ने मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने के संदर्भ में जो रुख जाहिर किया था, उसके बाद राज्य के बड़े हिस्से में हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। इसमें करीब दो सौ लोगों की जान जा चुकी है और इसकी वजह से हजारों लोगों को अपना घर छोड़ कर राहत शिविर या दूसरी जगहों पर शरण लेना पड़ा।

आज भी वहां स्थिति में कोई उल्लेखनीय सुधार नहीं हुआ है। जाहिर है, एक साधारण विवाद से जो हालात पैदा हुए, उसके एक वर्ष बीत जाने के बावजूद उसे संभालने में सरकार अब तक नाकाम है और इसका खमियाजा हिंसक संघर्ष की वजह से बेठौर हुए लोगों को भुगतना पड़ रहा है।

विश्व भर में ऐसे लोगों की एक बड़ी संख्या है, जो बहुत मुश्किल से किसी जगह पर अपना ठिकाना और उनमें से कुछ लोग घर बनाते हैं। मगर इससे ज्यादा तकलीफदेह और क्या हो सकता है कि उन्हें वैसी वजहों के लिए उस जगह को छोड़ कर कहीं और जाना पड़ जाता है, जिसके लिए वे जिम्मेदार नहीं होते हैं।

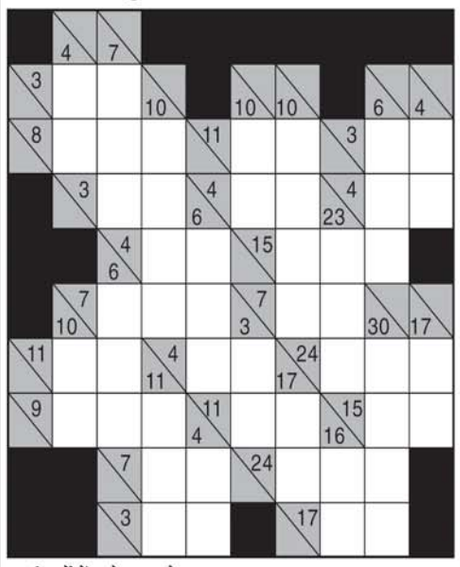

यही नहीं, अपने ठौर से वंचित लोग जब कहीं और जीने की जगह ढूंढ़ने निकलते हैं तो सभ्य कही जाने वाली व्यवस्थाओं वाले लोकतांत्रिक देशों में भी उनके लिए टिकना आसान नहीं होता। इससे अफसोसनाक और क्या होगा कि विश्व के आधुनिक होने के दावों के बीच पिछले दो वर्षों में संघर्ष और हिंसा की वजह से अपना घर छोड़ने पर मजबूर लोगों की संख्या में चिंताजनक बढ़ोतरी हुई है। दुनिया के जिन हिस्सों में हालात में सुधार हो रहे थे, अब वहां भी यह समस्या अपने पांव पसार रही है। हिंसा या संघर्षों को रोकने और शांति की स्थापना करने में नाकामी दरअसल विश्व भर में अशांत इलाकों में सक्षम देशों की कूटनीतिक और रणनीतिक कवायदों के महज दिखावा होने को ही दर्शाती है।

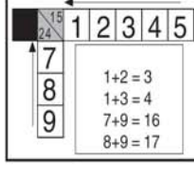

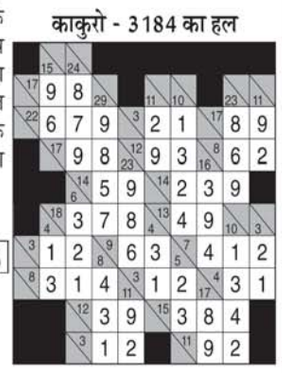

काकुरो पहेली - 3185

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता।

उदाहरण:

1+2=3
1+3=4
7+9=16
8+9=17

काकुरो - 3184 का हल

लॉफिंग ज़ोन

एक घर से पति-पत्नी के हँसने की कुछ ज्यादा ही आवाजें आती रहती थीं। मोहल्ले के कई लोग एकत्र होकर उनके यहाँ खुशहाली का राज जानने को पहुँचे।

मोहल्ले वालों की जिज्ञासा को शांत करते हुए पति बोला- बहुत सरल है, हमारे यहाँ मेरी बीबी बेलन, चिमटा आदि फेंककर मारती है। हम लट्ठमार होली खेलते हैं...! अगर मुझे लग जाता है तो वो हँसती और नहीं लगता है तो मैं हँसता हूँ।

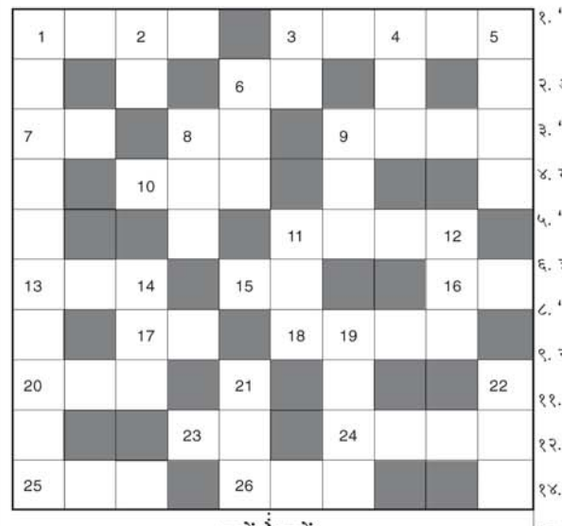

एक बार रीमा बन-ठनकर पिक्चर देखने जा रही थी। तभी एक सहेली मिल गई। रीमा का ठाठ-बाट देखकर बोली- 'अ...हा...आ हाथों में हीरों की चूड़ियाँ, कानों में हीरे के टॉप्स, गले में हीरों का हार, यह बनारसी साड़ी क्यों, क्या तुम्हारे पति ने नौकरी कर ली है?'

रीमा बोली- 'नहीं गीता, मैंने पति बदल लिया है।'

चमन (नरेश से)- सुना है तुमने एक उपन्यास लिखा है?

नरेश- हाँ! एक बहुत अच्छा उपन्यास लिखा तो है।

चमन- कुछ बिके भी है?

नरेश- हाँ, बिके है न..। इस उपन्यास को प्रकाशित करने में मेरी अँगूठी, स्कूटर, बीवी की चूड़ियाँ और मंगलसूत्र जैसी कई चीजें बिक गई है।

फिल्म वर्ग पहेली- 3185

बायें से दायें:-

१. इमरान हाशमी, दीपल शॉ की 'क्योंकि इतना प्यार' गीत वाली फिल्म-४
३. 'सौ दर्द हैं सौ राहतें' गीत वाली प्रीती, सलमान, अक्षय की फिल्म-२,१,२
६. आमिर खान, माधुरी दीक्षित की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
७. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली अमिताभ, मनोज की फिल्म-२
८. मोहित अहलावत, निशा की 'धीमी धीमी सी जिंदगी' गीतवाली फिल्म-२
९. 'ये मुलाकात एक बहाना है' गीत वाली जीतेंद्र, सुलक्षणा की फिल्म-४
१०. अनिलकपूर, स्मिता की 'आसमान छत हो मेरी' गीत वाली फिल्म-३
११. 'एक था बचपन' गीत वाली अशोक कुमार, संजीव, सुमिता की फिल्म-४
१३. सनी, मीनाक्षी शेशाद्रि की 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-२
१६. नसीर, जैकी, शिल्पा, की 'लड़का लड़की से' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं ऐसा क्यों हूँ' गीत वाली अमिताभ, ऋतिक की फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, लीना की 'दुनिया ने मुझको समझा नाकारा' गीत वाली फिल्म-४
२०. 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली अनिलकपूर, पूनम की फिल्म-३
२३. संजयदत्त, उर्मिला की 'ये जान ले ले रे' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'प्यार मुझसे जो किया' गीत वाली फारूख शेख, दीप्ति की फिल्म-२,२
२५. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'दूल्हा दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'चोरी चोरी जब नजरें मिली' गीत वाली बॉबी देओल, नेहा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'मितवा, कहे धड़कने तुझसे' गीत वाली अमिताभ, शाहरूख, जॉन, अभिषेक, काजोल की फिल्म-२,४,१,३
२. अजय, अभिषेक, रानी, करीना, 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' गीत वाली फिल्म-२
३. 'एक लड़की बस गई' गीत वाली सनी देओल, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
४. राहुल खन्ना, जॉन, मिथुन, लारा, अमीषा की 'बेचैन मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-३
५. 'कश पे कश लगाने दे' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२
६. ऋषि कपूर, शाहरूख, दिव्या की 'ऐसी दीवानगी देखी नहीं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'तुम्हारे प्यार में' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, आशा की फिल्म-३
९. नाना, सलमान, मनीषा, सीमा की 'आज मैं ऊपर आसमां नीचे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मेरी बन्नो की आएगी' गीत वाली जैकी, जूही, अमृतासिंह की फिल्म-३
१२. अक्षय खन्ना, सोनाली बेंद्रे की 'सावन बरसे तरसे दिल' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'दूध का कर्ज' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी ?-३
१९. जैकी श्रॉफ मोहसिन खान, नीलम की 'दे दो दे दो मुझे दिल' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली संजय दत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२२. गिरीश कर्नाड, स्मिता पाटिल की 'म्हारो गाँव काथिया पारे' गीत वाली श्याम बेनेगल निर्देशित फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3184

सूडोकु -3185

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु -3184 का हल

शब्द पहेली - 3185

बाएँ से दाएँ

1.जानकारी-4
4.मांसाहार का उलट-4
8.'जुम्मा चुम्मा दे दे' गीत वाली फिल्म-2
9.कायाकल्प-5
10.पिता के छोटे भाई-2
13.कहानी लिखने वाला-5
15.नाम रखना-5
17.बेवक्त,अकाल-5
20.प्रयास,कोशिश-5
23.टोंटी,नलका-2
24.कामदेव,पुष्कर-2,3
25.डर,भय-4
28.शोर-शराबा-4
29.बेवफा,व्यभिचारी-4

ऊपर से नीचे

2.बिंदु,बिंदी,शून्य-2
3.गोलाकार-3
4.सम्मिलित होना-3,2
5.घाटा,नुकसान-2
6.मूर्ख,बेवकूफ-4
7.बिना कारण,बेवजह-4
11.राजा की पत्नी-2
12.वहम,संदेह-2
14.दुर्घटना-3
16.खाना बनाने की जगह,किचन-3
17.एकाएक, सहसा-4
18.अलमस्त-2
19.कमल ककड़ी, कमल डंडी-3,2
20.आरामदायी-5
21.सम्मान-2
22.भलमानसता-4
26.सद्,अच्छा-2
27.मृत्यु, प्रारब्ध, न्याय निर्णय-2

शब्द पहेली - 3184 का हल

ग्रेनो प्राधिकरण के चेयरमैन की समीक्षा

डीएमआईसी परियोजनाओं को लेकर बोर्ड रूम में की बैठक, टाउनशिप का लिया जायजा

गौतम बुद्ध नगर। उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास आयुक्त और नोएडा-ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के चेयरमैन मनोज कुमार सिंह ने ग्रेटर नोएडा में चल रही डीएमआईसी परियोजनाओं की समीक्षा की। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ व आईआईटीजीएनएल के प्रबंध निदेशक एनजी रवि कुमार और प्राधिकरण की एसीईओ अन्नपूर्णा गर्ग ने टाउनशिप के इंफ्रास्ट्रक्चर के बारे में चेयरमैन को जानकारी दी।

अब तक हुए औद्योगिक आवंटनों के बारे में बताया। मनोज कुमार सिंह ने टाउनशिप में शेष औद्योगिक भूखंडों का आवंटन शीघ्र करने के निर्देष दिए। इसके साथ ही आवासीय व वाणिज्यिक गतिविधियों के लिए भी भूखंडों का आवंटन किए जाने के निर्देश दिए।

आईटीजीएनएल की इस स्मार्ट टाउनशिप में हायर इलेक्ट्रॉनिक्स, फॉर्मे मोबाइल, सत्कृति इंफोटेनमेंट, चेनफेंग, जे वर्ल्ड इलेक्ट्रॉनिक्स और गुरू अमरदास समेत करीब 18 बड़ी कंपनियां निवेश कर रही हैं। चेयरमैन ने बोड़ाकी के पास प्रस्तावित मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब और मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक हब के बारे में भी जानकारी ली। करीब 478 हेक्टेयर जमीन पर ये दोनों प्रोजेक्ट विकसित किए जा रहे हैं। मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब अंतर्गत रेलवे, बस अड्डा व मेट्रो कनेक्टिविटी विकसित की जाएगी। बोड़ाकी के पास ही रेलवे टर्मिनल बनाया जाएगा।

वेस्ट कलेक्शन प्लांट भी देखा

वहीं लॉजिस्टिक हब से उद्योगों के लिए माल ढुलाई की राह आसान हो जाएगी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के बोर्ड रूम में समीक्षा के बाद चेयरमैन मनोज कुमार सिंह ने इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप का भ्रमण भी किया।

इस दौरान सीईओ एनजी रवि कुमार और एसीईओ अन्नपूर्णा गर्ग और अन्य अधिकारीगण भी मौजूद रहे। आईडीसी ने टाउनशिप में प्लग एंड प्ले सिस्टम और ऑटोमेटेड वेस्ट कलेक्शन प्लांट को भी देखा। वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट और हर प्लॉट से पाइप के जरिए कूड़े को प्रोसेसिंग प्लांट तक पहुंचाने और निस्तारित करने की तकनीक को समझा। उन्होंने इसकी सराहना भी की।

750 एकड़ में बसाई गई टाउनशिप

बता दें कि दिल्ली मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के अंतर्गत आईआईटीजीएनएल की तरफ से इंटीग्रेटेड टाउनशिप करीब 750 एकड़ में इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप बसाई गई है। प्लग एंड प्ले के आधार पर बनी इस टाउनशिप में उद्यमी तत्काल प्लांट लगाकर काम शुरू कर सकते हैं।

इस टाउनशिप में वर्क टू साइकिल, 24 घंटे बिजली, एलईडी लाइट जैसी सुविधाएं मौजूद हैं। यह टाउनशिप सीसीटीवी से भी लैस होगी। इस टाउनशिप की सुरक्षा के लिए इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम बनाया जाएगा। इस दौरान जीएम प्लानिंग लीनू सहगल, ओएसडी नवीन कुमार सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक सुधीर कुमार, आईआईटीजीएनएल के कंपनी सेक्रेटरी पतंजलि दीक्षित आदि अधिकारीगण मौजूद रहे।

ओएसडी ने गांवों का किया निरीक्षण

गंदगी मिलने पर 50 हजार का जुर्माना

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के ओएसडी संतोष कुमार आज अचानक से ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित गांव वैदपुरा, सैनी व भोला रावल पहुंच गए। सैनी व वैदपुरा के बीच मुख्य मार्ग की पटरियों पर जगह-जगह कूड़ा बिखरा दिखा, जिस पर ओएसडी ने फर्म मैसर्स साईंनाथ पर 50 हजार रुपए का जुर्माना लगा दिया और इनकी तत्काल सफाई कराने के निर्देश दिए। इन तीनों गांवों के नालियों की हालत भी खराब दिखी। नालियों में सिल्ट जमा दिखी। स्लोप ठीक न होने के कारण पानी की निकासी नहीं हो पा रही। संतोष कुमार ने नालियों की मरम्मत और सफाई के लिए परियोजना विभाग को पत्र लिखा है। ओएसडी ने इन गांवों की समस्याओं से सीनियर अधिकारियों को भी अवगत कराया है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार कि निर्देश पर ओएसडी स्वास्थ्य संतोष कुमार अपनी टीम के साथ रोजाना गांवों व सेक्टरों में सफाई व्यवस्था का जायजा ले रहे हैं। गुरुवार को ओएसडी स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक नथोली सिंह व अन्य टीम के साथ सैनी व वैदपुरा पहुंचे। ओएसडी ने इन दोनों गांवों की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान गांव के लोग भी आ गए।

उन्होंने गांव की समस्याओं से ओएसडी को अवगत कराया। ग्रामीणों ने नियमित सफाई न होने की बात कही। सैनी व वैदपुरा के बीच मुख्य मार्ग की पटरियों पर जगह-जगह कूड़ा बिखरा दिखा, जिस पर ओएसडी ने फर्म मैसर्स साईंनाथ पर 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया। इसकी तत्काल सफाई कराने के निर्देश दिए। ओएसडी के निरीक्षण के दौरान नालियों व ड्रेन में पॉलिथीन और सिल्ट भरी हुई थी।

27 लाख लोगों को जाम मुक्त मिलेगा ट्रांसपोर्ट सिस्टम

नोएडा। एनसीआर में नोएडा को बेस्ट प्लांड सिटी बनाने के लिए रीजनल कांप्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान पर एक प्रेजेंटेशन किया गया। ये प्रजैंटेशन MTC ने किया जो इस शहर के 27 लाख लोगों को जाम मुक्त ट्रांसपोर्ट सिस्टम देने के उद्देश्य के लिए था। इस इंटरनल मोबिलिटी प्लान को इस तरह से डिजाइन किया जाएगा ताकि लोगों को लोकल ट्रांसपोर्ट के साथ गाजियाबाद, दिल्ली, हापुड़, बुलंदशहर के लोगों को भी बेहतर कनेक्टिविटी मिले। खास बात ये है कि पूरा प्लान सिर्फ EV पर आधारित है।

मीटिंग में एक्सपर्ट के साथ IDC मनोज सिंह, नोएडा प्राधिकरण के CEO लोकेश एम , ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ ने भी अपने विचार साझा किए। इस प्रेजेंटेशन में वित्तीय संस्थाएं और एयरपोर्ट अथॉरिटी भी शामिल हुए। जिनके सामने कंसल्टेंट कंपनी ने मोबिलिटी प्लान के बारे में जानकारी दी। कंपनी को 15 दिन का समय दिया गया कि वो फाइल रिपोर्ट सब्मिट करे। इसके बाद RFP जारी कर प्लान को जमीन पर उतारा जा सके।

ये प्रेजेंटेशन नोएडा एयरपोर्ट को केंद्रित करते हुए की गई थी। आईडीसी मनोज कुमार सिंह ने कहा- नोएडा, ग्रेटरनोएडा, जेवर और गाजियाबाद को सम्मिलित करते हुए अर्बन एग्लोमरेशन के लिए तत्काल आधुनिक सार्वजनिक यातायात प्रणाली किया जाए।

नोएडा के लोगों को जाम से मिलेगी निजात

खोला गया एलिवेटेड रोड, 7 अप्रैल से चल रहा था मरम्मत का काम

गौतम बुद्ध नगर। नोएडा के लोगों को जाम से राहत मिलेगी क्योंकि 7 अप्रैल से बंद पड़े हुए एलिवेटर रोड को आज से खोल दिया गया है। कल यानी शुक्रवार से एलिवेटेड रोड पर आवाजाही शुरू हो गई। बता दें कि नोएडा अथॉरिटी के द्वारा रोड पर मरम्मत का कार्य किया गया था और इस वजह से इस रोड को बंद किया गया था।

नोएडा के एलिवेटेड रोड पर नोएडा अथॉरिटी ने 7 अप्रैल से रिफ्रेशिंग का काम शुरू किया था। नोएडा ट्रैफिक पुलिस की ओर से काम को पूरा करने के लिए अथॉरिटी को 90 दिन का समय दिया गया था, लेकिन अथॉरिटी ने सिर्फ 40 दिन में एलिवेटेड रोड की पुरानी सड़क उखड़कर नई परत बिछा दी है। नोएडा सेक्टर 18 से सेक्टर 60 की तरफ जाने वाली रोड पहले से ही खुली हुई है।

इस प्रोजेक्ट को नोएडा अथॉरिटी के सिविल विभाग की टीम ने काफी तेजी से किया। नोएडा अथॉरिटी ने मरम्मत में पुरानी सड़क उखाड़ कर एक नई परत बिछाने का काम पूरा कर लिया है। अब नई परत के ऊपर दूसरी परत बिछाई जानी है। इसका काम भी सेक्टर 18 से सेक्टर 60 जाने वाली रोड पर करीब 75 प्रतिशत पूरा हो गया है।

15 प्रतिशत काम हुआ पूरा

वहीं, नोएडा के सेक्टर 61 से सेक्टर 18 की तरफ जाने वाली रोड पर दूसरी परत का काम करीब 15त्न पूरा हो गया है। पहली परत दोनों रोड पर बिछने के बाद अब सड़क को खोल दिया गया है, जिससे वाहनों के गुजरने में कोई समस्या नहीं होगी।

जरूरत के हिसाब से किया जाएगा डायवर्जन

नोएडा के डीसीपी ट्रैफिक अनिल यादव ने बताया कि ऐसे में ट्रैफिक सुबह 6 बजे से रात 11 बजे तक खोला जाएगा।

रात 11 बजे से सुबह 6 बजे तक नोएडा अथॉरिटी दूसरी परत बिछाने का काम करवाती रहेगी। जिसकी वजह से रात में 11 बजे से लेकर सुबह 6 बजे तक फ्लाई ओवर बंद रहेगा। इस दौरान जरूरत के हिसाब से वाहनों का डायवर्जन किया जाएगा।

आप विधायक अमानतुल्लाह खान की तलाश में छापेमारी

नोएडा पुलिस की 4 टीमें जुटीं, सेल्समैन को पीटने में विधायक का मैनेजर गिरफ्तार

गौतम बुद्ध नगर। नोएडा थाना फेज 1 क्षेत्र में स्थित सेक्टर-95 स्थित पेट्रोल पंप पर सात मई को सेल्समैन समेत अन्य कर्मचारियों के साथ मारपीट करने के मामले में नोएडा पुलिस की चार टीमें आप विधायक अमानतुल्लाह और उनके बेटे अनस की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही है।

16 तारीख को भी पुलिस की टीमों ने विधायक, उनके पुत्र और एक अन्य की तलाश में दिल्ली के तीन ठिकानों पर दबिश दी पर दोनों नहीं मिले। इस बीच आप विधायक अमानतुल्लाह के द्वारा जिला न्यायालय में सरेन्डर की अर्जी लगाने की चर्चा है लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

नोएडा पुलिस के अधिकारियों ने दिल्ली पुलिस से केस में नामजद आप विधायक, उनके बेटे और साथी अबू बकर के आपराधिक इतिहास की जानकारी मांगी है। इस मामले में सोमवार को आप विधायक के मैनेजर इकरार अहमद को फेज वन पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

विधायक पिता पुत्र के खिलाफ एनबीडब्ल्यू जारी

पुलिस ने इस मामले में एससी-एसटी की धारा बढ़ाने के साथ ही आप विधायक अमानतुल्लाह, उनके बेटे अनस और अबू बकर के खिलाफ एनबीडब्ल्यू भी जारी कर दिया है। पेट्रोल पंप के संचालक ने फेज वन थाने में विधायक और उसके बेटे के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कराने के बाद बाप और बेटे दोनों फरार हैं।

नोएडा जोन के एडिशनल डीसीपी मनीष मिश्रा का कहना है कि मामले की जांच कर रहे इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर के द्वारा पेट्रोल पंप पर पीड़ितों का बयान लिया गया था। सीसीटीवी कैमरो की जांच की गई थी। वहां मौजूद अन्य गवाहों के भी बयान दर्ज किये गए थे।

जिस आधार पर एससी-एसटी एक्ट और 307 आईपीसी और अन्य धाराओं में साक्ष्य के हिसाब से मुकदमा दर्ज किया गया था।

मामले की जांच के लिए चार टीमें में गठित की गई हैं, जो आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

एक अभियुक्त इकरार को गिरफ्तार किया जा चुका है, इस मामले में अन्य आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।

ग्रेटर नोएडा में लिफ्ट में फंसा युवक

आधे घंटे तक अंदर रहा, लोगों ने कड़ी मेहनत के बाद बाहर निकाला

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा में लिफ्ट अटकने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। ताजा मामला ग्रेटर नोएडा वेस्ट की लॉ रेजिडेंशिया सोसायटी का है। जहां पर लिफ्ट अचानक से रुक गई। जिसमें एक युवक फंस गया और करीब आधे घंटे तक युवक लिफ्ट के अंदर फंसा रहा। फिलहाल इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट की लो रेजिडेंशिया सोसायटी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें एक शख्स लिफ्ट के अंदर फंसा हुआ है और बाहर से कई लोग उसकी मदद करने की कोशिश कर रहे हैं।

लिफ्ट को खोलने की भी कोशिश कर रहे हैं। लेकिन लिफ्ट नहीं खुल रही है। लिफ्ट के अंदर फंसा हुआ युवक बाहर के लोगों से मदद व पानी मांग रहा है। इस दौरान एक महिला जो की लिफ्ट के बाहर है वह उन लोगों से पानी देने की बात भी कह रही है।

युवक लोगों से अपने लिए पानी मांग रहा था

बताया जा रहा है कि जो व्यक्ति लिफ्ट में फंसा वह सोसाइटी में किसी फ्लैट में काम करने के लिए आया था। लेकिन जब वह लिफ्ट से ऊपर जा रहा था तो अचानक से लिफ्ट अटक गई और वह उसके अंदर ही फंस गया। इसके बाद उसने अलार्म बजाया लेकिन उसने भी कोई कार्य नहीं किया।

जब उसने शोर मचाया तब आवाज सुनकर एक महिला उसकी मदद के लिए आगे आई। इसके बाद सिक्योरिटी गार्ड और अन्य लोग लिफ्ट में फंसे युवक को बाहर निकलने लगे। लिफ्ट में फंसा हुआ व्यक्ति काफी घबराया हुआ था।

एक लाख करोड़ रुपये से विकसित होगा नया शहर

ग्रेटर नोएडा। नोएडा एयरपोर्ट के शुरू होने से पहले यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) नए शहर को एक लाख करोड़ रुपये खर्च कर विकसित करेगा। इसके लिए क्षेत्र के 40 गांवों की 15 हजार एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। शहर में नए सेक्टर बनाकर सभी बुनियादी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके साथ-साथ एक लैंड बैंक और औद्योगिक पार्क भी तैयार किया जाएगा। वहीं, 70 हजार करोड़ रुपये शहर के सीवर, ग्रीन बेल्ट, पार्क और लाइटिंग व्यवस्था पर खर्च किए जाएंगे। आने वाले दो वर्षों में 12 हजार करोड रुपये भविष्य की परियोजनाओं के लिए लैंड बैंक को तैयार करने में खर्च होंगे। शुक्रवार को प्राधिकरण के अध्यक्ष अनिल सागर ने परियोजना को लेकर अधिकारियों के साथ मंथन किया। इसके साथ-साथ उन्होंने इस परियोजना के आवासीय व औद्योगिक सेक्टरों में हुए अब तक के काम की प्रगति के संबंध में भी समीक्षा की। बैठक में प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि आने वाले दो सालों में प्राधिकरण नए सेक्टरों के लिए 40 गांवों की 15 हजार एकड़ जमीन का अधिग्रहण करेगा। नए सेक्टरों में 5, 7, 8, 9, 10 व 11 शामिल हैं। सेक्टर-11 में फिनटेक सिटी को बनाया जाना प्रस्तावित है। सेक्टर-5 में जापानी सिटी को विकसित करने की तैयारी है। इसके अलावा सेक्टर-10 में पांच औद्योगिक पार्क भी बनाए जाएंगे। इन पार्कों में लेदर फुटवियर, प्लास्टिक की प्रोसेसिंग, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का निर्माण शामिल है। इन सभी औद्योगिक पार्क के लिए 234.9 हेक्टेयर भूमि पर स्वीकृति मिल चुकी है। चेयनमैन अनिल सागर ने आवासीय सेक्टर-18, 20, 24 में तैयार 220 केवी के बिजलीघर के निर्माण की प्रगति को भी जाना। उन्होंने कहा कि जिन आवंटियों के नक्शे पास हैं, उन्हें बिजली के कनेक्शन प्राथमिकता से दिए जाएं।

पूर्व ब्लाक प्रमुख के बेटे को गोली मारने वाला गिरफ्तार

पैसे के लेनदेन में मारी थी गोली, पैर में लगी थी

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा की दादरी थाना पुलिस ने पूर्व ब्लाक प्रमुख के बेटे को गोली मारने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने अपने एक साथी के साथ मिलकर पीड़ित को गाड़ी में बैठा लिया था। दूर ले जाकर पैर में गोली मारकर घायल कर दिया था।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त पिस्टल और गाड़ी बरामद कर ली है।

अस्पताल में भर्ती कराया गया

दरअसल पूर्व ब्लॉक प्रमुख नरेंद्र भाटी के बेटे अविनाश भाटी की दादरी में पिज्जा की दुकान है । बुधवार रात में वह दुकान पर ही बैठा हुआ था। इसी दौरान बढ़पुरा निवासी विकास व अरुण स्विफ्ट गाड़ी में सवार होकर आए और अविनाश को गाड़ी में बैठाकर ले गया।

उसके बाद बम्बाबढ़ वाले रास्ते पर ले जाकर उसको गोली मार दी। गोली मारने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। इस दौरान अविनाश के पैर में गोली लगी और घायल अवस्था में उसको अस्पताल में भर्ती कराया गया।

स्विफ्ट गाड़ी और पिस्टल भी बरामद कर ली

अविनाश की तहरीर के आधार पर पुलिस ने इस मामले में विकास और अरुण के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया और टीम का गठन कर आरोपियों की तलाश की गई।

दादरी थाना पुलिस ने शुक्रवार को लोकल इंटेलीजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर एक आरोपी विकास भाटी को कोट नहर के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त स्विफ्ट गाड़ी और पिस्टल भी बरामद कर ली।

गाड़ी को रोककर पेशाब करने के बहाने उतर गया

आरोपी ने पूछताछ में बताया कि अविनाश भाटी पर उसके 13 लाख रुपए थे।

बार-बार मांगने पर भी वह रुपए नहीं दे रहा था। इसी बात को लेकर 15 मई को मैं उसके खास दोस्त अरूण को साथ लेकर अरूण से फोन कराकर उसे बुलवा लिया। अपनी स्विफ्ट गाड़ी में अविनाश को बैठाकर बीयर पिलाई। राजतपुर राजवाहे पर ले जाकर पहले डराने के लिये गाड़ी में बैठते ही एक फायर कर दिया। जो गाड़ी की खिड़की में लगा तो अविनाश ने बूरा भला कहा। मैं शान्त रहकर गाड़ी को आगे सुनसान जगह पर ले गया। फिर गाड़ी को रोककर पेशाब करने के बहाने उतर गया।

आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया गया

इसके बाद हाथ धुलवाने के बहाने अविनाश को नीचे उतार लिया। फिर अपनी इसी पिस्टल से उसे जान से मारने की नीयत से तीन गोली मारी। अन्धेरा होने के कारण ये गोली उसके पैर में लगी।

गाडी की नम्बर प्लेट मैंने पुलिस के डर के कारण उतारकर डिग्गी में रख ली थी।

ग्रेटर नोएडा के एडिशनल डीसीपी अशोक कुमार ने बताया कि एक युवक पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया गया है।

शार्ट न्यूज

एसओजी की टीम ने मारा छापा, धोखाधड़ी से जमीन बेचने का आरोपी फरार

रबूपुरा। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत जमीन के फर्जीवाड़े के मामले में एसओजी की टीम ने कस्बे में छापा मारा। कार्रवाई के दौरान आरोपी भूप सिंह एसओजी की टीम को चकमा देकर मौके से भाग गए। मूल रूप से गांव मुरादगढी निवासी भूपसिंह रबूपुरा में अपना मकान बनाकर रहता है। बृहस्पतिवार देर शाम भूप सिंह अपने घर पर बैठा हुआ था। कार में सवार एसओजी की टीम में शामिल 4-5 लोग उसके घर पहुंचे। पकड़े जाने के डर से वह चकमा देकर मौके से भाग गया। इसी दौरान टीम भी वहां से चले गई। भूप सिंह ने आरोप लगाया है कि तीन-चार दिन पहले भी कार में सवार लोगों ने अन्य व्यक्ति के माध्यम से पीड़ित से 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगी थी। रंगदारी नहीं दिए जाने पर जान से मारने की धमकी दी गई थी। उसका एक ऑडियो भी भूपसिंह ने अपने पास होने का दावा किया है। आरोपी ने मामले की शिकायत सोशल मीडिया के माध्यम से पुलिस के उच्च अधिकारियों, मुख्यमंत्री से की है। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। स्थानीय पुलिस का कहना है कि भूप सिंह के खिलाफ फर्जीवाड़ा कर जमीन बेचने का आरोप है। मामले में उसके खिलाफ केस भी दर्ज है। जांच के लिए एसओजी की टीम बृहस्पतिवार को उसके घर पर पहुंची थी। जांच करने गई एसओजी की टीम को देखकर आरोपी भूप सिंह मौके से भाग गया था।

गिरफ्तारी के बाद कुत्ते की नस्ल को लेकर विवाद

नोएडा। सेक्टर-117 स्थित सोरखा गांव में आठ वर्षीय बच्चे को कुत्ते के काटने के मामले में अब नया विवाद शुरू हो गया है। मालिक की गिरफ्तारी के बाद कुत्ते की नस्ल को लेकर विवाद हो रहा है। जहां एक ओर बच्चे की मां का कहना है पिटबुल नस्ल के कुत्ते ने काटा है तो वहीं आरोपी पक्ष का कहना है कि वह झूठ बोल रही हैं। जिस कुत्ते ने बच्चे को काटा है उसकी नस्ल अलग है। ऐसे में पुलिस ने कुत्ते की नस्ल तय करने के लिए जिला पशु चिकित्साधिकारी की मदद लेने का फैसला किया है। कुत्ते की नस्ल की चर्चा शुक्रवार को सोशल मीडिया के विभिन्न ग्रुप पर भी होती रही। नस्ल को लेकर दोनों पक्ष के लोगों के अपने-अपने तर्क हैं। पुलिस के मुताबिक बीते दिनों सेक्टर-113 थाने में दी शिकायत में सोरखा गांव निवासी संतोष ने बताया कि 14 मई को शाम सात बजे उनका बेटा शिवम अपनी मामी के घर गया था, जो कि पड़ोस में मूलचंद के मकान में किराए पर रहती हैं। उन्होंने बताया कि मकान मालिक मूलचंद के बेटे अभिषेक ने पिटबुल नस्ल का कुत्ता पाला हुआ है। जिसने उनके घर पर गए उनके बेटे शिवम पर हमला करके उसको गंभीर रूप से घायल कर दिया। कुत्ते ने उनके बेटे के पेट, हाथ सहित शरीर के पांच स्थानों पर काटा है।

दुष्कर्म का आरोप लगाने वालीं दो महिलाएं गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। चिपियाना पुलिस चौकी में हिरासत में योगेश कुमार की मौत के मामले में शुक्रवार को पुलिस ने बेकरी में काम करने वाली दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। दोनों ने योगेश पर दुष्कर्म का आरोप लगाया था। पुलिस ने दोनों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर कार्रवाई की है। वहीं, योगेश के भाई धर्मवीर की ओर से दर्ज कराए मामले में अभी किसी पुलिसकर्मी का नाम नहीं है। शुक्रवार को एडीसीपी मनीष मिश्रा ने भी मामले की जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में थाना प्रभारी और एसीपी के ढीले रवैये की बात सामने आई है। सोमवार से पहले एडीसीपी अपनी रिपोर्ट पुलिस कमिश्नर को सौंप सकते हैं। इसके बाद थाना प्रभारी व एसीपी पर गाज गिर सकती है। जांच के बिंदुओं में यह भी शामिल है कि हवालात में पंखा टांगने वाला कुंदा क्यों लगा हुआ था। योगेश के पास से अंगोछा क्यों नहीं लिया गया था। डॉक्टरों का पैनल बनाकर योगेश का पोस्टमार्टम किया गया। इसकी वीडियोग्राफी भी कराई गई। रिपोर्ट में फंदे पर लटकने से मौत होने की बात आई है। परिजन हरपाल ने बताया कि जब योगेश की मौत की सूचना के बाद मौके पर पहुंचे थे तो शरीर पर चोट के निशान नहीं थे। पोस्टमार्टम के बाद परिजन योगेश के शव को खैर के गांव अमरगढ़ी ले गए। यहां पर खैर कोतवाली पुलिस की मौजूदगी में योगेश का अंतिम संस्कार हुआ।

रेरा में सुनवाई के लिए बिल्डरों के पास अंतिम मौका

ग्रेटर नोएडा। यूपी रेरा ने गौतमबुद्धनगर में बिल्डरों से जुड़ी 38 शिकायतों को लेकर अगले माह अलग-अलग तारीखों पर निर्धारित पीठों की ऑनलाइन सुनवाई में उपस्थित होकर पक्ष रखने का अंतिम मौका दिया है। अगर बिल्डर ऑनलाइन सुनवाई में उपस्थित नहीं होंगे तो एकतरफा फैसला सुना दिया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि सुनवाई में उपस्थित न होने से शिकायतकर्ता की समस्या का समाधान नहीं हो पाता है। सुनवाई अगली तिथि के लिए निर्धारित करनी पड़ती है, जो रेरा अधिनियम के उद्देश्यों व आवंटी के हितों के प्रतिकूल है। जयदेव इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड, निपार्थ एंटरप्राइजेज, डीएमडी होमटेक, इंडो वर्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर, बालाजी रेसीडेंसी, किंगसन बिल्डटेक, एसडीएस इंफ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड, एसजेपी ग्लोबल, अंसल लैंडमार्क टाउनशिप प्राइवेट लिमिटेड, प्रथम हाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड, भविष्य इंडिया ग्रुप व जीएसएस प्रीकॉन आदि बिल्डरों के खिलाफ 38 शिकायतें हैं। ई-कोर्ट के माध्यम से सुनवाई में जुड़ने के लिए पक्षकारों को नियत सुनवाई तिथि से दो दिन पहले रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी पर लिंक भेज दिया जाएगा।

सड़क हादसे में 14 यात्री घायल

गाजियाबाद। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर गुरुवार देर रात सड़क हादसा हो गया। हज यात्रियों से भरी मिनी बस एक ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में 14 हज यात्री घायल हुए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। सभी हज यात्री बिजनौर जिले के जीतपुर गांव के रहने वाले थे। ये मिनी बस में सवार होकर दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर जा रहे थे। रात करीब साढ़े तीन बजे के आसपास बस एक्सप्रेस-वे पर हवा-हवाई रेस्टोरेंट से तीन किलोमीटर पहले आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। उस वक्त मिनी बस में सवार ज्यादातर हज यात्री नींद में थे। हादसा होते ही चींख पुकार मच गई। तत्काल तीन एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं और 14 घायलों को डासना कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। यहां पर इस्तिकार, अजीम, सलीम, तस्लीम, आरिफ, वारिस, सलीम और नहीना को उपचार दिया गया है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में घायलों की तरफ से अभी तक कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। दुर्घटनाग्रस्त बस को क्रेन की मदद से हाईवे किनारे करवा दिया गया है।

गाजियाबाद में कैडबरी के एक्सपायरी प्रोडक्ट पकड़े

गाजियाबाद। गाजियाबाद के कस्बा मोदीनगर में खाद्य सुरक्षा विभाग ने 2 जगह छापे मारकर प्रमुख कंपनी कैडबरी के एक्सपायर प्रोडक्ट पकड़े। जो प्रोडक्ट साल-2019 में एक्सपायर हो चुके थे, वो मार्केट में बेचे जा रहे थे, ऐसी आशंका है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने इस संबंध में दुकान-गोदाम मालिक को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मोदीनगर क्षेत्र की खाद्य सुरक्षा अधिकारी मीरा सिंह ने बताया, गुरुवार शाम को गोविंदपुरी में हिमांशु सचदेवा के दुकान और गोदाम पर छापेमारी की गई। दोनों एक-दूसरे से 500 मीटर दूरी पर हैं। हमें यहां से कैडबरी कंपनी के चॉकलेट, बॉर्नविटा, हॉर्लिक्स, ऑरियो बिस्केट बड़ी संख्या में मिले। ज्यादातर प्रोडक्ट एक्सपायरी थे। कुछ प्रोडक्ट तो साल-2019 में एक्सपायरी हो चुके थे। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया, हमने दुकान-गोदाम मालिक हिमांशु सचदेवा से पूछताछ की। उनका कहना था कि हम कैडबरी कंपनी के एक्सपायरी प्रोडक्ट क्वार्टरली वापस करते हैं। इसलिए फिलहाल इतना सामान एक्सपायरी रखा हुआ है। लेकिन साल-2019, 2020 के एक्सपायरी प्रोडक्ट अब तक क्यों वापस नहीं हुए, इस पर वे चुप्पी साध गए और संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। मीरा सिंह ने बताया, दुकान-गोदाम मालिक ने हमें प्रॉपर डॉक्यूमेंट्स भी नहीं दिखाए हैं। हमने कंपनी के प्रतिनिधियों से बात की तो वो भी स्पष्ट जवाब नहीं दे सके।

बागपत में ट्रक की टक्कर से जुगाड़ में सवार मां-बेटी व भांजी की मौत, तीन घायल

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत कोतवाली क्षेत्र में दिल्ली-सहारनपुर नेशनल हाईवे पर तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से जुगाड़ में सवार एक मां-बेटी और महिला की भांजी की मौके पर ही मौत हो गयी है जबकि तीन अन्य घायल हो गये हैं।

पुलिस सूत्रों ने आज बताया कि सिसाना गांव के पास गुरूवार देर शाम हुई इस दुर्घटना में जुगाड़ में सवार महिला स्वाति (24), बेटी रिया (06) व महिला की भांजी जाहनवी (01) की मौके पर ही मृत्यु हो गई। महिला का पति राजा, बेटा विराज व ननद शालू गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि बड़ौत कोतवाली क्षेत्र के खामपुर लुहारी निवासी राजा अपने परिवार के साथ बागपत कोतवाली थाना क्षेत्र में

नौरोजपुर गांव में आदेश के भट्ठे पर ईंट पथाई का काम करता है। उसी के साथ उसकी बहन शालू का परिवार भी भट्ठे पर ही काम करता है।

राजा की तबीयत खराब थी और परिजन उसे जुगाड़ में बिठाकर सिसाना गांव में चिकित्सक के यहां लेकर जा रहे थे।

जैसे ही ये सब लोग सिसाना गांव में हाइवे पर पहुंचे तो बड़ौत की ओर से तेज गति से आ रहे ट्रक ने पीछे से जुगाड़ में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे जुगाड़ के परखच्चे उड़ गए। टक्कर होने के बाद चालक ट्रक को लेकर भागने लगा तो लोगों ने उसका पीछा करके उसे राष्ट्र वंदना चौक पर पकड़ लिया गया। जहां लोगों ने उसकी पिटाई कर पुलिस को सौंप दिया।

मौके पर पहुंची पुलिस को चालक ने अपना नाम नरेश निवासी मोहनपुरा राजस्थान बताया।पुलिस उपाधीक्षक हरीश कुमार भदौरिया ने बताया कि मृतकों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए बागपत भेज दिया और घायलों राजा, विराज, शालू को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि ट्रक चालक को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। घटना की जांच की जा रही है।

आगरा में चांदी गबन के दो आरोपी अरेस्ट

आगरा। आगरा पुलिस ने चांदी गबन के मामले में फरार चल रहे दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 30 किलो चांदी बरामद किए गए हैं। इस मामले में पहले चांदी कारीगर जेल जा चुका है। डीसीपी सिटी सूरज राय ने बताया कि करीब छह माह पहले हरीपर्वत थाने में चांदी कारोबारी द्वारा 145 किलो चांदी गबन का मुकदमा दर्ज कराया गया था। इसमें चांदी कारोबारी ने कारीगर शिवम को आरोपी बनाया था। पुलिस ने आरोपी कारीगर शिवम को गिरफ्तार किया था। उसकी निशानदेही पर 80 किलो चांदी और तीन लोगों को गिरफ्तार किया था। इसके बाद बाकी चांदी की रिकवरी के प्रयास चल रहे थे। गुरुवार को पुलिस को सूचना मिली की गबन के मामले में शामिल शिवा सोनी निवासी राया मथुरा और हरीश वर्मा निवासी दयालबाग आगरा चांदी को बेचने की फिराक में हैं।

लखनऊ में हटेंगी सभी अवैध होर्डिंग, 9 एजेंसियों पर जुर्माना

एजेंसी

लखनऊ। घर हो या सड़क..मानक के खिलाफ लगी सभी अवैध होर्डिंग हटाई जाएंगी। इसके लिए नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने आदेश भी जारी कर दिया है। लखनऊ शहर में इसको लेकर बड़े स्तर पर अभियान चलाया जाएगा। नगर आयुक्त ने विज्ञापन एजेंसियों के साथ इसको लेकर बैठक की है।

इसमें निर्धारित साइज से बड़ी होर्डिंग भी हटाने के निर्देश दिए गए हैं। नगर निगम ने 48 संस्थानों पर जुर्माना भी लगा दिया है। इस दौरान करीब 1 करोड़ 77 लाख रुपए की वसूली हुई है।

इससे पहले बुधवार को नगर निगम ने 9 विज्ञापन एजेंसियों को नोटिस जारी किया था। सभी एजेंसियों की बैठक भी बुलाई गई। अवैध होर्डिंग लगाने वालों को फटकार भी लगाई गई। आयुक्त ने 3 दिन के भीतर होर्डिंग हटाने का समय दिया है। साथ ही घरों पर लगी होर्डिंग को भी हटाने के लिए कहा गया है।

एनओसी मिलने के बाद घर पर लगेंगी होर्डिंग

नगर आयुक्त ने कहा कि घरों की छतों पर वहीं होर्डिंग लग पाएंगी, जिसकी बिल्डिंग की मजबूती का प्रमाण पत्र स्ट्रक्चरल इंजीनियर देंगे। इंजीनियरों को इसका प्रमाण पत्र भी जमा करने का निर्देश दिया है।

नगर निगम ने 9 एजेंसियों पर जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना नहीं जमा करने पर लाइसेंस रद्द कर दिए जाएंगे।

शार्ट न्यूज

वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

ललितपुर। बानपुर लोकसभा चुनाव को लेकर पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार व क्षेत्राधिकारी महरौनी अजय कुमार के निकट पर्यवेक्षण में आगामी लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत वांछित/वारण्टी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के अभियान के क्रम में थाना बानपुर पुलिस द्वारा एक वांरटी अभियुक्त इन्द्रेश पुत्र हरनाम उम्र करीब 30 वर्ष निवासी ग्राम बानौनी थाना बानपुर जनपद ललितपुर सम्बन्धित मु0नं0 512/19 धारा 504/506 भादवि मा0 न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी) महरौनी ललितपुर को गिरफ्तार कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की गयी । गिरफ्तारी करने वाले टीम प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्र उ0नि0 रमेशचन्द्र का0 प्रशान्त कुमार कां0 मनीष कुमार आदि शामिल रहे।

पुलिस और अर्धसैनिक बल ने किया पैदल गश्त

ललितपुर। आगामी लोकसभा निर्वाचन-2024 के दृष्टिगत थाना कोतवाली/थाना तालबेहट/थाना बानपुर/ थाना जाखलौन /थाना नाराहट/ थाना सौजना /थाना बार पुलिस द्वारा केन्द्रीय सशस्त्र बल के साथ फ्लैग मार्च /एरिया डोमिनेशन किया गया एवं कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ मतदाताओं में सुरक्षा की भावना पैदा करने के लिए अपने अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत क्रिटिकल/संवेदनशील पोलिंग बूथों व मिश्रित आबादी वाले स्थानों पर फ्लैग मार्च /एरिया डोमिनेशन किया गया । फ्लैग मार्च के दौरान मतदान केंद्र एवं क्षेत्र का भ्रमण करते हुए आम जनता से संवाद कर चुनाव के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने, पुलिस तथा प्रशासन का सहयोग करने एवं भय मुक्त होकर मतदान करने की अपील की गई। यदि किसी भी व्यक्ति द्वारा अचार संहिता का उल्लंघन किया जाता है तो इसकी सूचना तत्काल चुनाव हेल्प लाइन नम्बर 7839697416 / डायल 112 / सम्बन्धित थाना / चौकी पर सूचना देने का कष्ट करें ललितपुर पुलिस द्वारा आपकी हर सम्भव मदद की जायेगी ।

स्कूली बच्चों ने निकाली मतदाता जागरूक रैली

महेश सिंह विशाल इंडिया

लखनऊ। मतदान सभी करें इसी मतदान जागरूकता के लिए भृगु पब्लिक स्कूल के बच्चों ने लाल पुरवा निकट दयाल फैक्ट्री, फ़ैजाबाद रोड के आस पास के एरिया में मतदाता रैली निकाल कर मतदान करने के लिए लोगो को जागरूक किया। इस दौरान विद्यालय के प्रबंधक के. के. दूबे एंव विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रतु मिश्रा के नेतृत्व में बच्चों ने मतदान जागरूकता से जुड़ी स्लोगन लिखी बैनर और तख्तियों को पकड़कर, शहर के क्षेत्रो में जाकर लोगो को मतदान की आवश्यकता व महत्त्व के बारे में जागरूक किया। रैली में बच्चों ने लोकतंत्र में भागीदारी, हम सबकी जिम्मेदारी, वोट फॉर वॉइस, आप का मतदान लोकतंत्र की जान तरह तरह के नारे लगाकर मतदान करने के लिए प्रेरित किया।

मताधिकार के प्रयोग हेतु कामगारों के लिए सिधौली क्षेत्र में घोषित किया सवैतनिक अवकाश

विशाल इंडिया/ब्यूरो

सीतापुर ।बीस मई 2024 को सम्पन्न होने जा रहे मोहनलालगंज लोकसभा क्षेत्र में सम्मिलित सिधौली विधान सभा क्षेत्र के निर्वाचन के सम्बन्ध में सहायक श्रमायुक्त उमेश कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ श्रम अनुभाग-3 के पत्र दिनांक 27 मार्च 2024 एवं अधिसूचना दिनांक 27 मार्च 2024 द्वारा लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 हेतु मतदान दिवस को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। उन्होंने बताया कि यह अवकाश 14 निगोशिएबुल इन्स्ट्रूमेंट एक्ट 1881 (1881 का एक्ट संख्या 26) के अन्तर्गत आता है। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 में किसी भी व्यवसाय,व्यापार,औद्योगिक प्रतिष्ठान तथा ऐसे अन्य प्रतिष्ठानों में कार्यरत कर्मचारियों को मताधिकार का प्रयोग किये जाने के उद्देश्य से मतदान दिवस को सार्वजनिक अवकाश/बन्दी दिवस घोषित करने का प्राविधान है। उन्होंने बताया कि लोकसभा क्षेत्र मोहनलालगंज के अन्तर्गत आवर्त जनपद सीतापुर की सिधौली विधान सभा के अन्तर्गत अवस्थित क्षेत्र में दिनांक 20मई2024 (सोमवार) को मतदान की तिथि घोषित है जो सामान्य बन्दी दिवस नही है।

वन स्टाप सेन्टर का किया निरीक्षण

विशाल इंडिया/ब्यूरो

सीतापुर । उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश के अनुपालन में जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीतापुर मनोज कुमार तृतीय, के निर्देशानुसार आज दिनांक 17 मई 2024 को समय-12:30 बजे के उपरान्त ''नरेन्द्र नाथ त्रिपाठी'' अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीतापुर द्वारा वन स्टाप सेन्टर का निरीक्षण किया गया। उपरोक्त वन स्टाप सेन्टर के निरीक्षण के समय पांच बालिकायें उपस्थित पाई गयी, जिसमें से एक बयान के लिए गयी थी। ड्यूटी रोस्टर के अनुसार समस्त स्टाप उपस्थित मिला एवं सेल्टर होम में साफ-सफाई सही पाई गयी एवं सेल्टर में उपस्थित बालिकाओं से वार्ता की गयी तो उन सभी के द्वारा बताया गया कि खाना इत्यादि समय से मिलता है।

कौशांबी में पकड़ी गई अवैध तमंचा फैक्ट्री

कौशांबी। कौशांबी में सराय अकिल थाना पुलिस को शुक्रवार को बड़ी कामयाबी हासिल हुई। पुलिस ने नन्दा का पूरा गांव के जंगल से एक अवैध रूप से संचालित तमंचा फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। छापामार कार्यवाही के दौरान पुलिस के हत्थे एक युवक, निर्मित व अर्धनिर्मित तमंचा और हथियार बनाने का उपकरण चढ़ा है। एसपी के मुताबिक पकड़ा गया युवक इसके पहले भी अवैध तमंचा फैक्ट्री संचालित करने के आरोप में पश्चिम शरीरा थाना पुलिस द्वारा भी 2 साल पहले जेल भेजा जा चुका है। एसपी बृजेश श्रीवास्तव ने बताया, सराय अकिल थाना व स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप के जवानों को मुखबिर से क्षेत्र में अवैध तमंचा फैक्ट्री संचालित होने की जानकारी मिली। पुलिस को पता चला कि पूरा गांव के जंगल में नदी की बाढ़ के हटने के बाद बने खार में पश्चिम शरीरा थाना के चक गुरैनी गांव का रहने वाला राजेश कुमार पुत्र मोतीलाल तिरपाल डाल कर अवैध तमंचा फैक्ट्री का संचालन कर रहा था। राजेश कुमार बेहद शातिर बदमाश है। इसके कब्जे से पुलिस ने तलाशी के दौरान 5 निर्मित तमंचा, 4 अर्ध निर्मित तमंचा, 3 तमंचा बाड़ी, 3 जिंदा कारतूस एवं तमंचा तैयार करने का सामान बरामद किया है। पूछताछ में बदमाश ने अपने गुनाह को कबूल कर लिया।

बिजनौर में बहन ने दो छोटी बहनों को मार डाला

13 साल की लड़की ने गला घोंटा, कहा-मुझे घर का सारा काम करना पड़ता था

बिजनौर। बिजनौर में गुरुवार देर रात 5 और 7 साल की 2 बहनों की हत्या कर दी गई। आरोपी 13 साल की सौतेली बड़ी बहन है। उसने साथ सो रही दोनों बहनों का दुपट्टे से गला घोंटा। बड़ी बहन ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

पुलिस की पूछताछ में उसने बताया- हमारा बड़ा परिवार है, पिता परेशान रहते थे। घर का सारा काम मुझे ही करना पड़ता था। इस कारण मैंने दोनों छोटी बहनों को मार दिया। लड़की की मां ने 2 शादी की है। आरोपी लड़की पहले पति से और मरने वाली दोनों मासूम दूसरे पति से थीं। घटना रात करीब 12 बजे की नूरपुर थाना क्षेत्र के गोहावर गांव की है।

बिस्तर पर पड़ा था दोनों बहनों का शव

घटना की सूचना पर एसपी नीरज कुमार जादौन, एसपी सिटी संजीव वाजपेई, सीओ चांदपुर, नूरपुर कोतवाल, फील्ड यूनिट मौके पर

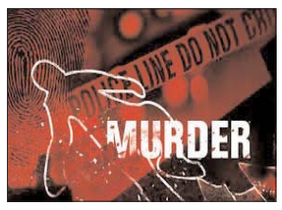

पहुंची। दोनों बहनों का शव कमरे में बेड पर पड़ा था। दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। पुलिस को घर के लोगों से पूछताछ में बड़ी बहन पर शक हुआ। जब उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की तो वह अपना बयान बदलती रही। बाद में उसने अपना जुर्म कबूल किया।

जब सभी लोग सो गए तब बड़ी बहन ने गला घोंटा

बताया जा रहा है कि लड़कियों की मां सविता ने 2 शादी की है। करीब 12 साल पहले उसने पहले पति पुखराज को छोड़ दिया था। दोनों पति से सविता का एक बेटा और 5 बेटियां थीं। पहले पति पुखराज से 9 और 13 साल की बेटी। दूसरे पति सहदेव से डेढ साल का बेटा और 11 साल, 7 साल की श्रुति उर्फ रिया और 5 साल की बेटी पवित्रा। पहले पति को छोड़ने की वजह सामने नहीं आई है।

मिर्जापुर में सूटकेस में ट्रेन में मिली महिला की लाश

मिर्जापुर। मिर्जापुर में मुंबई जनता एक्सप्रेस ट्रेन में लाल रंग के सूटकेस में एक महिला का सिर कटा शव मिला। उसके धड़ को मोड़कर फुल साइज सूटकेस (77 सीएम) में पैक किया गया था। शव के ऊपर पन्नी लपेटी गई थी। महिला के शरीर पर आधे कपड़े हैं। उसने सिर्फ ब्लाउज और पेटीकोट पहन रखा है। उसने पैरों में दो-दो बिछिया पहनी हैं। हाथ में गोल्डन कलर की 4-4 चूड़ियां हैं। महिला की उम्र करीब 25 साल बताई जा रही है। आशंका जाहिर की जा रही है कि महिला का शव पटना में ट्रेन की जनरल बोगी में रखा गया। मामला मिर्जापुर के चुनार स्टेशन का है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मुंबई जनता एक्सप्रेस ट्रेन (नंबर- 13201) पटना से चलकर मुंबई तक जाती है। ये ट्रेन पटना से रात 11.55 बजे चलती है। उसके बाद पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन और चुनार स्टेशन होते हुए सुबह 5.40 बजे मिर्जापुर स्टेशन आती है। ट्रेन का चुनार पहुंचने का समय सुबह 5.03 बजे का है, लेकिन शुक्रवार को यह करीब 7 बजकर 12 मिनट पर पहुंची। पटना से चुनार के बीच ट्रेन ने 16 स्टेशन क्रॉस किए, लेकिन किसी को यह पता नहीं चल पाया कि सूटकेस में लाश है।

दारुल उलूम में महिलाओं के आने पर बैन

मोहतमिम बोले-महिलाएं बनातीं थीं रील, छात्रों की पढ़ाई होती है डिस्टर्ब

सहारनपुर। सहारनपुर का दारुल उलूम देवबंद हमेशा चर्चाओं में बना रहता है। कभी फतवों तो कभी बयानबाजी को लेकर। इस बार दारुल उलूम देवबंद ने कैंपस में महिलाओं के प्रवेश पर रोक लगाई है। दारूल उलूम ने ये फैसला शुक्रवार को सुनाया है। प्रबंधन का कहना है कि युवतियां व महिलाएं रील बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड करतीं थीं। इससे छात्रों की पढ़ाई डिस्टर्ब हो रही थी।

देश भर से आ रही थी शिकायतें

महिलाएं और युवतियां दारुल उलूम परिसर में आकर रील बनातीं थी और उसे सोशल मीडिया पर वायरल करतीं थीं। सोशल मीडिया के वीडियो देखकर देश भर से शिकायतें आ रहीं थीं। इससे देश भर में दारूल उलूम की छवि खराब हो रही थी।

छात्रों ने भी कई बार शिकायत की

दारुल उलूम के प्रबंधन का कहना है कि दारुल उलूम एक तालीमगाह है। शिक्षा के स्थान पर इस तरह के काम ठीक नहीं है। वहीं छात्रों की शिक्षा का सत्र भी शुरू हो गया है। महिलाओं और लड़कियों के आने से दारुल उलूम

परिसर में भीड़ होने के कारण पढ़ाई भी प्रभावित हो रही थी।

कुछ महिलाओं ने किया विरोध...समझाने पर मान गई

दारुल उलूम के मोहतमिम मौलाना मुफ्ती अबुल कासिम नोमानी ने कहा- कुछ महिलाओं ने इस प्रतिबंध को लगाने का विरोध किया था। लेकिन जब उन्हें समझाया गया तो वह मान गईं। दारुल उलूम के फैसले के अनुसार संस्था के अंदर निर्माणधीन लाइब्रेरी और एशिया की प्रसिद्ध मस्जिद रशीदिया में भी महिलाएं नहीं जा सकेंगी।

खास बात यह है कि जिन लोगों के बच्चे यहां पढ़ रहे हैं। उन महिलाओं के आने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। अक्सर बच्चों की मां और बहने भी छात्रों से मिलने के लिए आ जाती थीं और उसके बाद वह दारुल उलूम में रील बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर देती थीं।

मोहतमिम मौलाना मुफ्ती अबुल कासिम नोमानी ने बताया- दारुल उलूम में महिलाओं के प्रवेश पर पाबंदी लगाई है।

बहुत ज्यादा तादाद में महिलाएं यहां आकर वीडियो बनाकर उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर रही थीं। जिसकी वजह से पूरे मुल्क में छवि खराब हो रही थी।

इटावा सफारी में रूपा ने जन्मे चार शावक, सभी की मौत

इटावा। उत्तर प्रदेश में इटावा सफारी पार्क स्थित लाइन सफारी में शेरनी रूपा ने शुक्रवार को चार शावको को जन्म दिया लेकिन जन्म के कुछ देर बाद ही एक-एक करके चारों की मौत हो गई है ।

शावकों की मौत को लेकर के प्रारंभिक तौर पर सफारी प्रबंधन की लापरवाही परलक्षित होती हुई दिख रही है लेकिन सफारी प्रबंधन का कोई भी अधिकारी लापरवाही स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है।

इटावा सफारी पार्क के निदेशक डॉ.अनिल कुमार पटेल ने चार शावको की मौत की पुष्टि करते हुए शुक्रवार को बताया कि 16/17 मई की रात्रि में लायन सफारी में 5 साल की रूपा नामक शेरनी ने ब्रीडिंग सेंटर में अपने

गर्भकाल के पूर्ण होने के लगभग 20 दिन पूर्व ही चार मरे हुए शावकों को जन्म दिया। बब्बर शेरनी रूपा की मेटिंग लॉयन सफारी क्षेत्र में कान्हा नामक बब्बर शेर से माह फरवरी में हुई थी, मेटिंग के बाद शेरनी रूपा को ब्रीडिंग सेंटर में रखा गया था। जहाँ पर इसकी पूरी देख रेख की जा रही थी तथा इसकी समुचित देख रेख के लिए एक विशेषज्ञ पशु चिकित्सक की विशेष तैनाती भी की गई थी। ब्रीडिंग सेंटर में शेरनी के प्रसव के लिये संभावित तिथि 5/6 जून के लिये पूर्ण तैयारी की गई थी, परन्तु समय से पूर्व ही प्रसव हो गया।

बब्बर शेरनी रूपा ने दूसरी बार गर्भधारण किया है। इससे पहले उसने दो शावक को जन्म दिया था जिसमें से एक मृत शावक था तथा दूसरे को शेरनी द्वारा अपनाये नहीं जाने पर नियो नेटल केयर यूनिट में कीपर अजय द्वारा अपने हाथ से पाला गया जो वर्तमान में स्वस्थ है एवं लगभग 8 महीने का हो गया है। समय से पूर्व प्रसव होने के कारण संभवत: कोई भी शावक जीवित नहीं रहा।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य जीव एवं मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक उत्तर प्रदेश लखनऊ से प्राप्त निर्देश के क्रम में शावकों के मृत्यु की वास्तविक कारणों की जानकारी एवं इन पर विशेष शोध हेतु सभी मृत शावकों को आई.वी.आर.आई. बरेली भेजा गया है। इटावा लायन सफारी में चार शावको की एकाएक हुई मौत वाकई में सफारी प्रबंधन की लापरवाही या फिर कोई और वजह है इसका वास्तविक खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद सामने आयेगा।

रूपा नाम की गर्भवती शेरनी ने बीती रात करीब दो बजे से लेकर के तड़के छह बजे के मध्य एक के बाद एक करके शावको को जन्म दिया। शेरनी जैसे-जैसे शावकों को जन्म दे रही थी वैसे वैसे शावको को मौत होती चली जा रही थी।

कानपुर में पत्नी को तीसरी मंजिल से फेंका, मौत

कानपुर। कानपुर में पति ने पत्नी को तीसरी मंजिल से फेंक दिया। शोर सुनकर देवर आया। भाभी को लेकर अस्पताल गया। यहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। आरोप है कि वो बेरोजगार था, उसका आए दिन इस बात पर झगड़ा होता था।

गुरुवार देर रात भी उसकी लड़ाई हो गई। इस पर उसने पत्नी सपना को बेल्ट से पीटा। वो दरवाजे के पास आकर मदद के लिए चिल्लाने लगी। पीछे से आकर उसने धक्का दे दिया, जब वो गिर तो गई। दरवाजा बंद कर भाग गया। ये मामला नौबस्ता के हंसपुरम का है। मूल रूप से घाटमपुर निवासी राहुल तिवारी बेरोजगार थे। परिवार में पत्नी सपना तिवारी (36) बेटा समर्थ (10) और बेटी शौर्य (6) हैं। राहुल के साथ में उनका छोटा भाई अंकित भी रहता है। राहुल अपने पूरे परिवार के साथ किराए के मकान में हंसपुरम में रहता था। परिवार वालों ने बताया कि सपना भजन गायक थी। राहुल नशे का लती था, इस कारण नौकरी नहीं जाता था।

रात को सपना और राहुल में किसी बात को लेकर कहासुनी हुई। इसके बाद राहुल ने सपना को पीटा और तीसरी मंजिल से नीचे फेंक दिया। यह नजारा देख अंकित तुरंत नीचे उतर के आया। पड़ोसियों की मदद से सपना को पास के नीचे अस्पताल ले गया।

अज्ञात करण के चलते लगी आग दो घर जलकर हुये राख

विशाल इंडिया/ब्यूरो

सीतापुर। गर्मी शुरू होते ही आग लगने का सिलसिला चालू हो गया है। आज अग्निकांड का शिकार जनपद की तहसील महमूदाबाद के ब्लाक पहला के अन्तर्गत आने वाली एक ग्राम पंचायत हुई जहां अचानक अज्ञात वजह से लगी आग के कारण दो घर जलकर खाक हो गए। जानकारी के अनुसार जिले की तहसील महमूदाबाद के विकासखंड पहला की ग्राम पंचायत शमशाबाद में अज्ञात कारणों के चलते अचानक आग लग गई जिससे दो घरो की खाद्य सामग्री सहित हजारों की समान जलकर राख हो गया। आपको बताते चलें कि शकील पुत्र सामीन,खलील पुत्र अफरोज के घर के पीछे से लगी आग से घर के अन्दर का रखा राशन,कपड़े व अन्य वस्तुयें जल गई।सभी कागजात जैसे बैंक पासबुक, राशन कार्ड तथा गैस पासबुक भी जलकर खाक हो गई तथा बीस हजार रुपए जो अपनी बहन की शादी में समान खरीद कर लाने के लिए रखे हुए थे वह भी जल गए तथा एक बकरी और कॉस्मेटिक से सामान भरा ठेला भी जलकर खाक हो गया। आपको बताते चलें कि घर में एक दिन के खाने के लिए कुछ बचा भी नहीं बचा जिसकी जानकारी क्षेत्रीय लेखपाल को दे दी गई है।

अब देखना यह है की इस गरीब व असहाय को किस प्रकार की सहायता उच्च अधिकारियों के द्वारा दी जाती है।यह तो भविष्य बतायेगा।

पत्रकार आशुतोष हत्याकांड का मुख्य साजिश कर्ता पुलिस हिरासत से फरार

जौनपुर। उत्तरप्रदेश में जौनपुर जिले के शाहगंज थाना क्षेत्र स्थित इमरानगंज बाजार में पत्रकार एवं भाजपा नेता आशुतोष श्रीवास्तव की हत्या के आरोपी गौ-तस्कर जमीरूद्दीन मुंबई से जौनपुर लाते समय पुलिस को चकमा देकर मध्य प्रदेश के खंडवा रेलवे स्टेशन से फरार हो गया है। लापरवाही बरतने के आरोप में एक उपनिरीक्षक और एक सिपाही को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार पत्रकार की हत्या के मुख्य आरोपी जमीरुद्दीन को पुलिस कस्टडी कस्टडी में मुंबई से ट्रेन के द्वारा जौनपुर लाया जा रहा था जैसे ही ट्रेन मध्य प्रदेश के खंडवा रेलवे स्टेशन पर रुकी, आरोपी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। पत्रकार के हत्या के आरोपी के फरार होने की खबर मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक (एसपी) डॉ अजयपाल शर्मा ने कार्रवाई करते हुए उप निरीक्षक मंसा राम गुप्ता और कांस्टेबल बृजेश मिश्रा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

सरकार आने पर रायबरेली और अमेठी का साथ साथ होगा विकास : राहुल

अमेठी/रायबरेली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि गठबंधन की सरकार आने पर रायबरेली और अमेठी के विकास में बराबर की तवज्जो दी जायेगी।

अमेठी संसदीय क्षेत्र के गौरीगंज-नंदमहर में गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा के पक्ष में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुये उन्होने कहा मैं आपका हूं,अमेठी का हूं, था और रहूंगा। मैं भले रायबरेली से सांसद बनूं लेकिन अमेठी मेरा परिवार है और हमेशा रहेगा। जो काम/योजना रायबरेली आयेगी वह अमेठी आयेगी ये मेरी गारंटी है।

रायबरेली में अपनी मां सोनिया गांधी,बहन प्रियंका गांधी वाड्रा और सहयोगी समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव की मौजूदगी में उन्होने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुये रायबरेली के कांग्रेस प्रत्याशी ने कहा कि श्री मोदी संभावित हार को देखकर इस कदर बौखलाये हुये हैं कि वे उनकी ही भाषा में भाषण

दे रहे हैं। गांधी ने दावा किया वे जो चाहे मोदी से बुलवा सकते हैं।

उन्होने एक बार फिर चेतावनी भरे लहजे में कहा कि अगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार बनाने में सफल होती है तो वे संविधान बदल देगी। आरक्षण खत्म कर देगी। सरकारी उपक्रमों को निजी हाथों में दे देगी और हर नागरिक के बोलने का अधिकार खत्म कर देगी। रायबरेली की पूर्व सांसद सोनिया गांधी ने अपने संक्षिप्त भाषण में कहा 20 साल तक एक सांसद के रूप में जो मुझे रायबरेली की जनता ने सेवा का मौका दिया है उसका ह्रदय से आभारी उसी तरह अमेठी की भी ह्रदय से आभारी हूँ इंदिरा गांधी के दिल मे भी रायबरेली से भावनात्मक लगाव था हमारे बच्चों के परिवार को यही शिक्षा दी गई है कि सबका आदर करो प्रेम करो लेकिन अन्याय का निडरतापूर्वक सामना करो और मैं आपको अपना बेटा सौंप रही हूँ जैसे आपने मुझे अपना माना वैसे राहुल आपको निराश नही करेंगे।

उधर श्री गांधी ने कहा कि मोदी सरकार पूंजीपतियों की साथी है और इन्होने किसानों जवानों समेत सभी को धोखा दिया है। उन्होंने खुद की खटाखट, खटाखट शब्द की तुकबंदी करते हुए लोगो से कहा कि भाजपा को जनता हटा देगी फटाफट,फटाफट, फटाफट और व्यंग कसा कि जो कहते थे कि न खायेंगे न खाने देगे वह सब माल डकार गए है गटागट गटागट।

इससे पहले अमेठी में उन्होने कहा अमेठी में पहली बार मैं अपने पिता स्वर्गीय राजीव गांधी के साथ 42 साल पहले आया था। जब मैं 12 साल का बच्चा था। जो भी मैंने राजनीति में सीखा है, वो अमेठी की जनता ने मुझे सिखाया है।

नेपाल सरकार ने 100 रुपए के नोट पर छापा नक्शा, भारत ने जताई आपत्ति

-जयशंकर बोले-ऐसे फैसले जमीनी हकीकत में कोई बदलाव नहीं ला सकते

काठमांडू। नेपाल सरकार ने हाल ही में 100 रुपए के नोट जारी किया है जिसको लेकर विवाद छिड़ गया है। इस नोट पर नेपाल ने अपना जो नक्शा छापा है, उसमें कई ऐसे क्षेत्र भी शामिल किए हैं, जिनको भारत अपना कहता है। नेपाली प्रधान मंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड की सरकार ने 3 मई को नेपाल में100 रुपए के नए नोट पर विवादास्पद नक्शे के इस्तेमाल का फैसला लिया। नेपाल सरकार ने कहा कि कैबिनेट ने 25 अप्रैल और 2 मई को बातचीत के बाद नोट के नए डिजाइन को मंजूरी दे दी है और पुराने नोटों के स्थान पर नए नोट जारी किए गए हैं। नेपाल ने चार साल पहले, 2020 में इस नक्शे को जारी किया था और ये विवाद की वजह बना गया था। एक बार फिर ऐसे समय पर नेपाल ने ये विवाद खड़ा किया है, जब भारत में लोकसभा चुनाव चल रहे हैं। इस फैसले के बाद नेपाल के राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल के आर्थिक सलाहकार चिरंजीवी ने इस कदम की आलोचना करते हुए इस्तीफा दे दिया। भारत की ओर से भी इस प्रतिक्रिया दी गई है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने नेपाल के इस फैसले को एकतरफा बताते हुए कहा कि इस मामले पर भारत की स्थिति साफ है और ऐसे फैसले जमीनी हकीकत में कोई बदलाव नहीं ला सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक नेपाल के विवादास्पद नक्शे को नेपाल के पूर्व पीएम केपीएस ओली की सरकार के समय अपनाया गया था। इस फैसले से भारत और नेपाल के संबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। नेपाल और भारत 1850 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं। भारत के सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों से नेपाल की सीमा लगी हुई है। दोनों देशों के बीच सीमा को लेकर कुछ जगहों पर विवाद चल रहा है। हालिया विवाद की शुरुआत 2020 में तब हुई जब भारत विरोधी अभियान चलाकर सत्ता में आए नेपाल के पूर्व पीएम ओली ने देश का नक्शा बदल दिया। भारत को झटका देते हुए जून 2020 में नेपाल ने भारत के साथ विवादित क्षेत्रों पर अपना दावा किया। नेपाल ने लिम्पियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी के अपनी सीमा में होने का दावा किया, जिसे भारत अपना कहता है। नेपाल की ओर ये तब किया गया, जब भारत-चीन सीमा पर लिपुलेख दर्रे को कैलाश-मानसरोवर मार्ग से जोड़ने वाली नई सड़क खोलने का फैसला भारत ने लिया था। इससे पहले दिसंबर 2019 में भी भारत की ओर से भी एक नक्शा जारी किया गया था, इसमें कालापानी को उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के हिस्सा दिखाया गया था। नेपाल की ओर से उस पर आपत्ति की गई थी, जिस पर भारत ने मतभेदों को सुलझाने के लिए एक विदेश सचिव स्तर की वार्ता तंत्र का गठन करने की बात कही थी। इसके बाद कोविड महामारी के चलते बातचीत शुरू नहीं हो सकी थी और फिर नेपाल ने विवादित नक्शा जारी कर दिया है।

ब्रिटेन में खांस-खांस कर पांच बच्चों की मौत!

-कोरोना से भी तेज फैल रहा इंफेक्शन, 2,793 मामले आए सामने

लंदन। ब्रिटेन में तेजी से फैल रही काली खांसी (पर्टुसिस) के 2,793 मामले सामने आ चुके है। इस बीमारी से अब तक पांच बच्चों की मौत होना बताया जा रहा है। एक और बच्चे की मृत्यु की मौत का पता चला है जिसके बारे में जानकारी हासिल की जा रही है। बताया जाता है कि काली खांसी छोटे बच्चों पर बुरा प्रभाव डाल रही है। बड़े बच्चों और वयस्कों में इसके लक्षण आमतौर पर हल्के होते हैं। काली खांसी इतनी खतरनाक है, इसका अंदाजा बात से लगाया जा सकता है कि वैश्विक स्तर पर हर साल काली खांसी के अनुमानित 2 करोड़ 40 लाख मामले सामने आते हैं, जिनमें से करीब 1.6 लाख की मौत हो जाती है। काली खांसी बोर्डेटेला पर्टुसिस नामक बैक्टीरिया के कारण होती है। पर्टुसिस अक्सर सांस लेने की बीमारियों से जुड़े इंफेक्शन से शुरू होती है, जिसमें नाक बहना और बुखार मुख्य लक्षण होते हैं। हूप कफ खांसी की बीमारी के एक या दो सप्ताह बाद ही हो सकता है। हालांकि यह सभी मामलों में हो ऐसा जरूरी नहीं है। जानकारों की मानें तो काली खांसी बहुत तेजी से फैलती है। औसतन पर्टुसिस का एक मामला करीब 15-17 लोगों में इंफेक्शन फैलाता है। यह इंफेक्शन कोविड वेरिएंट से अधिक है। काली खांसी के इंफेक्शन का असर पांच सप्ताह तक रहता है। जल्द उपचार करना ही इसके फैलाव को कम कर सकता है। एंटीबायोटिक्स उपचार शुरू करने के केवल पांच दिन बाद इंफेक्शन को कम करने में सक्षम हैं पुष्ट और बिना लक्षण वाले दोनों मामले काली खांसी के आगे फैलने के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं। काली खांसी का एक अजीब पहलू यह है कि आमतौर पर कुछ सालों में इसका बड़ा प्रकोप होता है। यूके में आखिरी बड़ा प्रकोप 2016 में हुआ था, जिसमें करीब 6,000 मामले सामने आए थे। प्रारंभिक टीकाकरण के कुछ सालों बाद इसमें गिरावट आती है यही कारण है कि पूरी आबादी में लगातार उच्च टीकाकरण जरुरी है।

अमेरिकी भारतवंशी सांसदों ने क्यों कहा... पहले अमेरिका सुधरे

वाशिंगटन । अमेरिका में भारतीय मूल के सांसदों का कहना है कि वे भारत के साथ मानवाधिकारों का मुद्दा उठाते रहने वाले हैं। हालांकि, भारत उन पर काम नहीं करेगा। अमेरिका में गुरुवार को देसी डिसाइड्स नाम की एक समिट हुई। समिट के दौरान सांसद आर ओ खन्ना ने कहा कि अमेरिका को मनवाधिकारों के मुद्दों पर भारत की लीडरशिप से बात करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत पर 100 साल तक विदेशी हुकूमत का राज था। समिट में भारतवंशी सांसदों से पीएम मोदी और मुस्लिम समुदाय के साथ उनके संबंधों पर सवाल किया गया था। इस पर खन्ना ने कहा कि भारत लेक्चर सुनने की बजाय तब अपने लोकतंत्र की खामियों को सुधारेगा, जब अमेरिका भी अपनी गलतियों को स्वीकार करेगा। उन्होंने कहा कि भारत से बात करने का यही अच्छा तरीका है। इस पर दूसरे भारतवंशी सांसद बेरा ने खन्ना से सहमति जाहिर की। बेरा ने कहा कि मैंने भारतीय विदेश मंत्री से भी मानवाधिकारों के मुद्दों पर बात की थी। बेरा ने कहा कि हमारे यहां अभी भी जीवंत लोकतंत्र है। हमारे पास एक विपक्षी दल है। हम प्रेस की स्वतंत्रता में विश्वास रखते हैं। यह सभी चीजें हैं, जो मुझे भारत के लिए चिंतित करती हैं। बेरा ने कहा कि मैं उम्मीद करता हूं कि भारत का लोकतंत्र जीवित रहेगा।

धरती पर चींटियों की 13,000 से अधिक प्रजातियां मौजूद, प्रोफेसर क्लिंट पेनिक ने इस पर किया लंबा रिसर्च

त्बिलिसी । क्या आप चींटियों को सूंघ सकते हैं? कैसे होती है इनकी गंध? साइंटिस्ट ने इसके बारे में बताया है।अगर आपसे पूछा जाए कि चीटियां कितने तरह की होती हैं, तो आपका जवाब हो सकता है कि लाल चीटियां और काली चीटियां। लेकिन एक रिपोर्ट के मुताबिक, धरती पर चींटियों की 13,000 से अधिक प्रजातियां मौजूद हैं। जॉर्जिया में केनेसॉ स्टेट यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर क्लिंट पेनिक ने इस पर लंबा रिसर्च किया है। उन्होंने बताया कि वैसे तो ये लाल और काले रंग में बंटी हुई हैं। लेकिन एक चीज है, जिससे इनकी अलग-अलग पहचान हो सकती है और वह है इनकी गंध। चींटियों की कई प्रजातियां गुस्सा होने, कुचले जाने पर तेज गंध वाले रसायन छोड़ती हैं। जैसे ट्रैप-जॉ चींटियां जब परेशान होती हैं तो वो चॉकलेट जैसी गंध छोड़ती हैं। बड़ी पीली दिखने वाली सिट्रोनेला चींटियां नींबू जैसी गंध फेंकती हैं। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण, जो चींटी हमारे और आपके घरों में पाई जाती है, उसकी गंध सड़े हुए पनीर या बासी नारियल की तरह होती है। साइंटिस्ट के मुताबिक, ऐसा इसलिए है क्योंकि घरेलू चींटियां मिथाइल कीटोन्स नामक रसायन छोड़ती है। यह पेनिसिलियम बैक्टीरिया से उत्पन्न होते हैं। जो पनीर और सड़ते नारियल पर उगते हैं। प्रोफेसर क्लिंट पेनिक ने कहा, अगर हमें चींटियों की गंध- पता हो, तो हमला करने से पहले ही हम उन्हें कुचल देंगे। लेकिन चींटियों की सभी प्रजातियों में इतनी गंध नहीं होती कि इंसान की नाक उसका पता लगा सके।

मर्सिली के करीब न्यूकैलीडोनिया में नियंत्रण हासिल करने के लिए फ्रांस के लगाये आपातकाल के बाद वहां की ओर भेजे जा रहे पुलिस अधिकारी और सिविल गार्ड विमान में चढ़ते हुए।

तानाशाह की बहन की दो टूक... नॉर्थ कोरिया ने रुस को नहीं दिए हथियार

कोरिया । नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने रूस को हथियार देने के अमेरिका और साउथ कोरिया के दावों को गलत बताया है। किम यो जोंग ने कहा कि रूस को हथियार देने की बातें मनगढ़ंत और बेतुकी हैं। उन्होंने कहा कि नॉर्थ कोरिया ने देश की सुरक्षा के लिए हथियार बनाए हैं, किसी दूसरे देश को बेचने के लिए नहीं।

किम की बहन का ये बयान उस वक्त आया है जब अमेरिका ने रूस की 3 कंपनियों पर प्रतिबंध लगाएं है। इन पर नॉर्थ कोरिया और रूस के बीच हथियारों की डील कराने के आरोप थे। दरअसल, नॉर्थ कोरिया के हथियार खरीदने और बेचने पर (संयुक्त राष्ट्र संघ) यूएन ने पाबंदियां लगा रखी हैं। अमेरिका और पश्चिमी देश लगातार रूस पर नॉर्थ कोरिया से मिलिट्री टेक्नोलॉजी और आर्थिक सहायता के बदले में यूक्रेन युद्ध के लिए तोपखाने, मिसाइल और दूसरे हथियार खरीदने के आरोप लगाते रहे हैं। साउथ कोरिया ने दावा किया था कि नॉर्थ कोरिया ने जुलाई 2023 से मार्च 2024 तक रूस को हथियारों से भरे 7 हजार कंटेनर भेजे। इसके बदले नॉर्थ कोरिया में रूस के 9 हजार कंटेनर आए थे। इसमें खाने की कमी झेल रहे नॉर्थ कोरिया के लिए मदद का सामान होने का दावा किया गया। वहीं, अमेरिकी जानकारों का दावा है कि नॉर्थ कोरिया को हथियार भेजने के बदले सैटेलाइट टेक्नोलॉजी मिली है। नॉर्थ कोरिया ने कहा था कि वे अपनी सेना के लिए 240 मिलीमीटर के रॉकेट लॉन्चर बनाएगा, जो सेना की जंग लड़ने की क्षमता को बढ़ाएंगे।

भारत ने इजराइल को भेजे हथियार, स्पेन ने जहाज को रुकने की नहीं दी अनुमति

-कहा- मध्य पूर्व को शांति की जरूरत है न कि विस्फोटक हथियारों की

तेल अवीव (एजेंसी)। भारत ने गाजा युद्ध में फंसे इजराइल को हथियार भेजे हैं। भारत ने यह कदम तब उठाया है जब इजराइल को अमेरिका ने हजारों बम की सप्लाई को रोक लगा दी है। पिछले 8 महीने से हमास के साथ जंग में इजराइल के पास हथियार नहीं बचे हैं और इजराइल ने भारत से मदद मांगी थी। भारत ने इजराइल को हथियार भेजे भी हैं लेकिन अब इसे स्पेन ने अपने बंदरगाह पर रुकने की इजाजत नहीं दी है। बताया जा रहा है कि इस व्यापारिक जहाज पर 27 टन विस्फोटक है और इसे भारत से भेजा गया है। स्पेन ने कहा है कि मध्य पूर्व को शांति की जरूरत है न कि और ज्यादा विस्फोटक भेजकर क्षेत्र को अशांत बनाने की।

एक रिपोर्ट के मुताबिक स्पेन के विदेश मंत्रालय ने डेनमार्क के झंडे वाले इस जहाज को अपने बंदरगाह पर रुकने की इजाजत नहीं दी है। बताया जा रहा है कि इस जहाज पर भारत से भेजा गया 27 टन विस्फोटक लदा हुआ था। उसने कहा कि मध्यपूर्व को शांति की जरूरत है, न? कि और ज्यादा हथियारों की। स्पेन के विदेश मंत्री जोसे मैनएल अल्बरेस ने कहा कि ऐसा पहली बार हुआ है। जब हमने पाया है कि एक जहाज

हथियारों की खेप लेकर इजराइल जा रहा है और वह स्पेन के बंदरगाह पर रुकने की इजाजत चाह रहा है।

स्पेन ने रुकने की इजाजत देने से किया इंकार

यह जहाज भारत से इजराइल की यात्रा कर रहा है और इतनी लंबी यात्रा के दौरान उसे जरूरी सामान फिर से भरना है। स्पेन के विदेश मंत्री ने कहा कि हमने इस शिप की पहचान कर ली है और हमने उसे अपने यहां रुकने की अनुमति देने से इंकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह किसी भी ऐसे जहाज के लिए प्रति हमारी सतत नीति है जो इजरायल के लिए हथियार या उससे जुड़ा सामान लेकर जा रहा है और हमारे बंदरगाह पर रुकना चाहता है। इस पूरे मामले में स्पेनी विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि विदेश मंत्रालय सतत तरीके से इस तरह के पोर्ट कॉल को खारिज करेगा जिसकी एकमात्र वजह यह है कि मध्य पूर्व को और ज्यादा हथियारों की जरूरत नहीं है, उसे शांति की जरूरत है।

बता दें कि स्पेन ने इजरायल के गाजा में सैन्य अभियान की कड़ी आलोचना की है। वह फलस्तीनी देश को भी मान्यता देना चाहता है। स्पेन ने गाजा में युद्ध शुरू होने के बाद से ही इजरायल को हथियारों की आपूर्ति रोक दी थी। भारत इजरायल का सबसे बड़ा हथियारों का खरीदार है। गाजा युद्ध के बीच इजरायल भारत से कई तरह के हथियारों के लिए जरूरी सामान मंगा रहा है। इजरायल की कई सरकारी कंपनियां भारत में निवेश करती हैं। भारत में इजरायली कंपनियां विस्फोटक से लेकर किलर ड्रोन तक बना रही हैं। भारतीय कंपनियों ने हाल ही में विस्फोटक और ड्रोन की सप्लाई की है। भारतीय रक्षा सूत्रों का कहना है कि इजरायल को विस्फोटक देकर भारत ने किसी भी अंतरराष्ट्रीय नियम का उल्लंघन नहीं किया है।

23 अरब रुपए के सब्सिडी पैकेज की घोषणा के बाद पीओके में रुका प्रदर्शन

-शहबाज ने कहा-पाकिस्तान कश्मीर मुद्दे पर अपना नैतिक और राजनयिक समर्थन जारी रखेगा

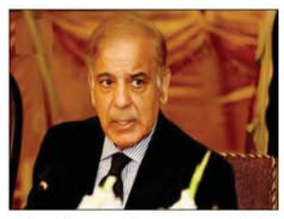

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में प्रदर्शन करने वाले लोगों ने पुलिसकर्मियों को पीट दिया और पाकिस्तान के खिलाफ नारे लगाए। इसे झड़प में एक पुलिसकर्मी की भी मौत हो गई है। बिजली और आटा की कीमतों में राहत के लिए लोगों का यह प्रदर्शन था, इसके बाद पाकिस्तान सरकार सहमत हो गई, लेकिन इस प्रदर्शन से पाकिस्तानी सरकार हिल गई है। फिर ऐसी स्थिति न हो, इसके लिए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पीओके पहुंचे। उन्होंने पीओके में लोगों के सामने आने वाले मुद्दों के लिए स्थायी समाधान मांगा। जम्मू कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी की ओर से महंगाई, उच्च करों और बिजली बिलों के खिलाफ अपना विरोध प्रदर्शन करने के बाद शहबाज का यह बयान आया है। पाकिस्तानी सरकार की ओर से 23 अरब रुपए के सब्सिडी पैकेज की घोषणा के बाद यह प्रदर्शन रुक गया। पीओके में कैबिनेट बैठक को संबोधित करते हुए शहबाज ने कहा कि उनकी सरकार कश्मीरी लोगों के सामने आने वाले मुद्दों का स्थायी समाधान तलाशेगी। उन्होंने पीओके के लोगों के लिए जल शुल्क, नीलम झेलम और अन्य मुद्दों पर चर्चा के लिए एक कमेटी के गठन का निर्देश दिया। पाकिस्तान को यह उम्मीद नहीं थी कि पीओके जिसे वह आजाद जम्मू कश्मीर कहता है, वहां उसके खिलाफ प्रदर्शन होगा। शहबाज ने कहा कि लोगों ने अपनी वास्तविक मांगों के लिए आवाज उठाई, लेकिन इसके बीच कुछ उपद्रवियों ने दंगे फैलाने और हत्या की कोशिश की। शहबाज ने कहा कि वह कश्मीर मुद्दे पर अपना नैतिक और राजनयिक समर्थन देना जारी रखेगा। उन्होंने तिहाड़ में बंद कश्मीरियों को लेकर भी बात की। भाजपा ने कश्मीर की तीन सीटों श्रीनगर, बारामूला और अनंतनाग पर अपने प्रत्याशी नहीं उतारे हैं। इसे लेकर शहबाज ने कहा कि भारत की सत्तारूढ़ पार्टी अपने वास्तविक नाम से चुनाव नहीं लड़ सकती है, जो क्षेत्र में जनता के गुस्से के डर को दिखाता है।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच विवाद का कारण बनी डूरंड लाइन

-यह रेखा पाकिस्तान बनने से 53 साल पहले 1893 में अंग्रेजों ने खींची थी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। अफगानिस्तान-पाकिस्तान के विवाद का सबसे बड़ा कारण डूरंड लाइन है, जिसे अंग्रेजों ने बनाया और ये पाकिस्तान के लिए मुसीबत बनी हुई है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान तालिबान की सेना के बीच पिछले तीन दिनों से संघर्ष जारी है। डूरंड लाइन पर दोनों एक दूसरे पर निशाना लगा रहे हैं। मीडिया के मुताबिक पक्तिया में पाकिस्तान की ओर से दर्जनों मिसाइलें दागी गईं, जो लोगों के घरों पर गिरी। एक समय था जब पाकिस्तान तालिबान की मदद करता था। लेकिन जब से तालिबान अफगानिस्तान की सत्ता में आया है, तब से पाकिस्तान के साथ संघर्ष बढ़ गए हैं। टीटीपी आतंकियों के हमले भी बढ़ गए हैं। अफगानिस्तान में तालिबान प्रशासन के उप मंत्री शेर मोहम्मद अब्बास स्टानिकजई ने फरवरी में एक बयान में कहा था कि डूरंड लाइन जब बनी तब पाकिस्तान का अस्तित्व भी नहीं था। उन्होंने कहा, डूरंड लाइन एक काल्पनिक रेखा है। अंग्रेजों ने उस समय अब्दुल रहमान खान के साथ समझौते के अनुसार इसे खींचा था। पाकिस्तान का इससे कोई लेना देना नहीं है। शेर मोहम्मद का बयान सही है। यह रेखा पाकिस्तान के अस्तित्व से 53 साल पहले 12 नवंबर 1893 में खींची गई थी।

डूरंड लाइन अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच 2,640 किमी लंबी सीमा है। ब्रिटिश इंडिया के सचिव सर मोर्टिमर डूरंड और अफगानिस्तान के अमीर अब्दुर रहमान खान के बीच समझौते के बाद इसे खींचा गया था। डूरंड रेखा रूस और ब्रिटिश साम्राज्यों के बीच 19वीं शताब्दी के ग्रेट गेम्स की एक विरासत के रूप में देखा जाता है। तब ब्रिटेन और रूस मध्य एशिया में प्रभाव बढ़ाने की जियोपॉलिटिकल लड़ाई लड़ रहे थे। अंग्रेजों ने इसे रूसी विस्तारवाद को रोकने के लिए एक बफर जोन के तौर पर इस्तेमाल किया था।

कनाडा के पीएम की मुस्लिमों और यहूदियों में कम हुई लोकप्रियता

-ट्रूडो के इजराइल-हमास युद्ध पर प्रवासियों तक बात ना पहुंचाने से हैं नाराज

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो और उनकी लिबरल पार्टी की लोकप्रियता कनाडा के मुस्लिमों और यहूदियों में कम हुई है। इसकी वजह गाजा में इजरायल और हमास के बीच चल रहा युद्ध है। एक सर्वे में कहा गया है कि मुस्लिम और यहूदी मतदाता लिबरल्स से दूर हो रहे हैं, जबकि इन दोनों समुदायों की पहली पसंद ट्रूडो हुआ करते थे। इन समुदायों के बीच लोकप्रियता घटने का कारण जस्टिन ट्रूडो के इजराइल-हमास युद्ध पर प्रवासियों के बीच अपनी बात ना पहुंचाना है। कनाडा में अगले साल चुनाव होने हैं, ऐसे में पीएम ट्रूडो के लिए सत्ता में वापसी करना मुश्किल हो सकता है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक सर्वे में 42 यहूदी मतदाताओं के लिए कंजर्वेटिव और 33 फीसदी के बीच लिबरल पार्टी पहली पसंद है। ट्रूडो की पार्टी कनाडाई मुसलमानों के बीच एनडीपी से 41 के मुकाबले 31 फीसदी से पीछे है। कनाडा में 2015 में मुस्लिम मतदाताओं के समर्थन ने पीएम जस्टिन ट्रूडो को बहुमत वाली सरकार बनाने में मदद की थी लेकिन गाजा में इजरायल और हमास युद्ध और उससे पैदा मानवीय संकट ने राजनीतिक परिदृश्य बदल दिया है। मुसलमानों और यहूदियों के अलावा ट्रूडो की पार्टी हिन्दुओं और सिखों के समर्थन की कमी से जूझ रही है। विपक्षी नेता पियरे पोइलिवरे और कंजर्वेटिव पार्टी ईसाईयों, हिंदुओं और सिखों की पहली पसंद हैं।

लिबरल्स की राजनीति में प्रवासियों की बहुत अहमियत है। ऐसे में यह बहुत अच्छी स्थिति नहीं लगती है। यहूदी प्रवासी कह रहे हैं कि सरकार हमास की निंदा करने और कनाडा में यहूदी विरोधी भावना को रोकने में विफल रही हैं। दूसरी ओर मुस्लिम आबादी मान रही है कि ट्रूडो सरकार ने गाजा में इजरायली रक्षा बलों के हमलों की खुलकर आलोचना नहीं की है। दोनों समूहों में से कम से कम आधे लोगों का कहना है कि ट्रूडो के

बारे में उनकी राय हाल के हफ्तों में अच्छी नहीं है।

ट्रूडो के खिलाफ माहौल के बावजूद विपक्षी नेताओं को मुस्लिमों और यहूदियों के बीच ट्रूडो की लोकप्रियता में कमी का फायदा उठाना है। कनाडाई मुसलमानों की राय एनडीपी नेता जगमीत सिंह के बारे में भी अच्छी नहीं है। वहीं हाल के सप्ताहों में पोइलिव्रे के बारे में उनके विचार और अधिक नकारात्मक हो गए हैं। कनाडाई यहूदियों के बीच भी दोनों नेताओं का आकलन नकारात्मक।

जिनपिंग ने पुतिन को लगाया गले, चिढ़ गया अमेरिका....किसी एक को चुने ड्रैगन

बीजिंग (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 2 दिन के दौरे पर चीन में हैं। बीजिंग में राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पुतिन का जोरदार स्वागत किया। इसके बाद दोनों नेताओं ने साथ में चाय पी। पुतिन की यात्रा का पहला दिन खत्म होने पर जिनपिंग ने उन्हें गले भी लगाया। इस दोस्ती से अमेरिका नाराज हो गया है। अमेरिका ने कहा है कि चीन अगर पश्चिमी देशों के साथ बेहतर रिश्ते बनाने की कोशिश कर रहा है, तब वह यूक्रेन जंग में रूस का समर्थन नहीं कर सकता है। चीन को रूस या यूरोप में से एक को चुनना होगा। अमेरिका के विदेश मंत्रालय के उप-प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा, यूक्रेन जंग के मामले में अमेरिका, जी7, नाटो और ईयू देशों का एक ही पक्ष है। रूस को हथियार देकर चीन न सिर्फ यूक्रेन की सुरक्षा खतरे में डाल रहा है, बल्कि इससे यूरोप पर भी असर पड़ेगा। वह यूरोप के सबसे बड़े खतरे को बढ़ावा दे रहा है। पटेल ने कहा, हमारे नजरिए से इस समस्या का हल बहुत ही आसान है। रूस यूक्रेन से पीछे हट जाए। वह रूसी कब्जे में मौजूद यूक्रेन के क्रीमिया और दूसरे इलाकों को आजाद कर दे। इससे शांतिपूर्ण तरह से मसला हल किया जा सकेगा, लेकिन रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने समय-समय पर यह बताया है कि वे शांति के लिए तैयार नहीं है।

दूसरी ओर चीन ने कहा है कि वह अपने मिलिट्री प्रोडक्ट्स के एक्सपोर्ट को पूरी जिम्मेदारी से संभालता है। अमेरिका को टारगेट कर चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि हमारे ऊपर आरोप लगाने से किसी समस्या का हल नहीं निकलेगा। जो लोग आग को हवा देते हैं, वे खुद उसकी चपेट में आ जाते हैं। रूस-यूक्रेन मसले का हल सिर्फ राजनीतिक समझौते के जरिए ही निकाला जा सकता है।

दरअसल शुक्रवार को शी जिनपिंग से मुलाकात के बाद पुतिन ने कहा कि रूस और चीन भाई जैसे हैं। जिनपिंग ने सोवियत काल की धुन के साथ उनका स्वागत किया दोनों नेताओं ने कहा था कि रूस और चीन की दोस्ती दुनिया में चल रही वर्चस्व की लड़ाई के बीच स्थिरता लाने का काम करती है। अपने दौरे के दूसरे दिन शुक्रवार को पुतिन चीन के हार्बिन शहर पहुंचे। इसे चीन का लिटिल मॉस्को कहा जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि 1917-22 के दौरान जब रूस में गृह युद्ध चल रहा था, तब हजारों रूसी हार्बिन शहर रहने पहुंचे थे। तब मॉस्को से रूस के पश्चिम में मौजूद व्लादिवोस्तोक शहर को जोड़ने के लिए हार्बिन के रास्ते रेलवे लाइन बिछाई गई थी। शुक्रवार को यहां पहुंचे राष्ट्रपति पुतिन ने 1940 में जापान के साथ जंग के दौरान मारे गए सोवियत सैनिकों को श्रद्धांजलि दी।

आईपीएल प्ले ऑफ में जगह बनाने आरसीबी और सीएसके में होगी टक्कर

बेंगलुरु (एजेंसी)। आईपीएल में प्लेऑफ में बचे एक स्थान के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बीच शनिवार को टक्कर होगी। इस मैच में जीत के लिए दोनो ही टीमें पूरी ताकत लगा देंगी। इस मैच में जो भी टीम हारेगी। वह प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो जाएगी।

आरसीबी ने इस टूर्नामेंट में शुरुआती हार के बाद लगातार पांच मैच जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी उम्मीदें बनायी हैं अब उसका लक्ष्य घरेलू मैदान पर बड़ी जीत दर्ज करना रहेगा। टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने अब तक इस सत्र में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। वह इस मैच में भी उसे जारी रखना चाहेंगे। पिछले कुछ मैचों से आरसीबी के बल्लेबाजों और गेंदबाजों का प्रदर्शन अच्छा रहा है। इसके बाद भी सीएसके की दावेदारी कमजोर नहीं मानी जा सकती है। उसकी टीम में अनुभवी महेन्द्र सिह धोनी हैं जो जानते हैं कि किस प्रकार मैच जीते जाते हैं। आरसीबी अगर इस मैच में जीती तो चौथा स्थान ही हासिल कर सकती है जबकि सीएसके विजयी होती है तो अंक तालिका में दूसरे स्थान पर रह सकती है।

हैदराबाद में सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस का मैच बारिश के कारण रद्द होने के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स के बाद सनराइजर्स प्लेआफ में पहुंचने वाली तीसरी टीम है। केकेआर और राजस्थान पहले ही प्लेऑफ में पहुंच गयी है। ऐसे में अब अंतिम स्थान के लिए सीएसके और आरसीबी में टक्कर है। अब तक सत्र में बेहतर रनरेट और अधिक अंक (13 अंक और 0.528 रनरेट) होने से चेन्नई का दावा मजबूत है। इस मैदान पर वह आठ मैचों में आरसीबी से एक ही बार हारी है, ऐसे में आंकड़े भी उसके पक्ष में हैं। वहीं आरसीबी के 12 अंक है और उसका नेट रनरेट 0.387 है।

एक समय प्लेऑफ से बाहर होती आरसीबी ने लगातार पांच मैच जीतकर प्लेऑफ की उम्मीदों को बनाये रखा है।

इस करो या मरो के मुकाबले में आरसीबी ओर से रन बनाने का दारोमदार विराट कोहली और कप्तान फाफ डु प्लेसिस के अलावा रजत पाटीदार व दिनेश कार्तिक पर रहेगा। वहीं गेंदबाजी की जिम्मेदारी

यश दयाल, मोहम्मद सिराज, स्वप्निल सिंह पर रहेगी। पिछले कुछ मैचो में आरसीबी के गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे वे सीएसके के खिलाफ जारी रखने का प्रयास करेंगे।

वहीं सीएसके की ओर से अबतब कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के अलावा, शिवम दुबे और रवींद्र जडेजा, तिलक वर्मा ने अच्छा प्रदर्शन किया है। गेंदबाजी की कमान मिशेल सेंटनर, शार्दुल ठाकुर, तुषार देशपांडे के पास रहेगी। कुल मिलाकर देखा जाये तो ये मैच रोमांचक होने की पूरी संभावना है।

बारिश हुई तो आरसीबी होगी बाहर

आईपीएल में शनिवार को चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच होने वाले मै में भी बारिश की आशंकाएं हैं। अगर ऐसा हुआ तो आरसीबी प्लेऑफ से बाहर हो जाएगी।

मौसम विभाग के अनुसार राज्य में 22 मई तक बारिश की उम्मीद है। 18 मई को भी मौसम ठीक रहने की संभावना कम ही है। अगर यह सही साबित हुआ और बारिश की वजह से मैच नहीं हो सका तो दोनों टीमों को एक-एक अंक मिलेगा। इसका मतलब है कि सीएसके 14 मैचों में 15 अंकों के साथ प्लेऑफ की दौड़ में आगे है। वहीं आरसीबी के लिए यह दुखद होगा, क्योंकि उनके पास 14 मैचों में 13 अंक होगा या 18.1 ओवर के भीतर लक्ष्य को हासिल करना होगा। इससे आरसीबी को सीएसके के नेट रन रेट को पार करने में मदद मिलेगी। अगर ऐसा नहीं होता तो आरसीबी बाहर हो जाएगी।

जहां तक सीएसके की बात है तो इस सत्र में टीम मिलाजुला प्रदर्शन किया है। सीएसके को अब तक 13 लीग मैचों में से सात में जीत मिली है।

टीम

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु - फाफ डु प्लेसिस (कप्तान), विराट कोहली, रजत पाटीदार, ग्लेन मैक्सवेल, कैमरून ग्रीन, दिनेश कार्तिक (विकेट कीपर), महिपाल लोमरोर, कर्ण शर्मा, यश दयाल, मोहम्मद सिराज, स्वप्निल सिंह

चेन्नई सुपर किंग्स - रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), राचिन रवींद्र, डेरिल मिशेल, शिवम दुबे, समीर रिजवी, रवींद्र जडेजा, एमएस धोनी (विकेट कीपर), मिशेल सेंटनर, शार्दुल ठाकुर, तुषार देशपांडे, सिमरजीत सिंह।

ओलंपिक में एक मुक्केबाजी कोटा गंवा सकता है भारत, वाडा ने परवीन को किया निलंबित

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले 12 महीने में तीन बार अपना ठिकाना (वेयरअबाउट) नहीं बताने के कारण विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज परवीन हुड्डा को विश्व डोपिंग निरोधक एजेंसी (वाडा) ने निलंबित कर दिया है जिससे वह पेरिस ओलंपिक का कोटा भी गंवा सकती है। पिछले साल एशियाई खेलों में महिलाओं के 57 किलोवर्ग में ओलंपिक कोटा हासिल करने वाली परवीन ने अप्रैल 2022 से मार्च 2023 के बीच अपने ठिकाने की जानकारी नहीं दी है जो वाडा नियमों के तहत अनिवार्य है। परवीन के कोच सुधीर हुड्डा ने कहा, 'उस पर वाडा ने डेढ साल का प्रतिबंध लगाया है जो इस महीने से शुरू होगा और नवंबर 2025 तक चलेगा।% रजिस्टर्ड टेस्टिंग पूल (आरटीपी) में शामिल खिलाड़ियों को रात रूकने पर अपना पूरा पता, नाम और हर ठिकाने का पूरा पता देना होता है जहां वे अभ्यास करते हैं, काम करते हैं या अन्य नियमित गतिविधियों में शामिल होते हैं। इसके अलावा उन्हें 60 मिनट का विंडो और स्थान की जानकारी देनी होती है जहां वे टेस्ट के लिये उपलब्ध होंगे। ऐसा नहीं करने को वाडा के ठिकाने के प्रावधान का उल्लंघन माना जाएगा। बारह महीने में तीन बार ऐसा करने में नाकाम रहने को डोपिंग नियम का उल्लंघन माना जाता है और दो साल तक का निलंबन हो सकता है जिसे घटाकर एक साल तक किया जा सकता है। परवीन के वकील विदुष्पत सिंघानिया ने कहा कि वे अंतरराष्ट्रीय टेस्टिंग एजेंसी के संपर्क में हैं और निलंबन हटवाने या कम करने का प्रयास कर रहे हैं। निलंबन की अवधि कम भी होने पर परवीन इस साल जुलाई अगस्त में पेरिस ओलंपिक नहीं खेल सकेगी। भारत के लिए सिर्फ चार मुक्केबाजों निकहत जरीन (50 किलो), प्रीति (54 किलो), परवीन (57 किलो) और लवलीना बोरगोहेन (75 किलो) ने कोटा हासिल किया है। आखिरी ओलंपिक क्वालीफायर 24 मई से बैंकॉक में है।

ब्राजील में होगा 2027 फीफा महिला फुटबॉल विश्व कप

बैंकॉक : ब्राजील में 2027 महिला फुटबॉल विश्व कप होगा चूंकि फीफा के पूर्णकालिक सदस्यों ने बेल्जियम, नीदरलैंड और जर्मनी के संयुक्त प्रस्ताव पर दक्षिण अमेरिकी देश को तरजीह दी है। फीफा कांग्रेस ने ब्राजील के पक्ष में 119 वोट दिए जबकि संयुक्त यूरोपीय बोली को 78 वोट मिले। अमेरिका और मैक्सिको ने संयुक्त प्रस्ताव पिछले महीने वापिस ले लिया था जबकि दक्षिण अफ्रीका ने नवंबर में अपनी दावेदारी वापस ले ली थी। पहली बार महिला फुटबॉल विश्व कप दक्षिण अमेरिका में होगा। टूर्नामेंट पहली बार 1991 में खेला गया था।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारतीय प्रशंसकों के लिए बनेगा इंडिया फैन जोन : सीए

मेलबर्न (एजेंसी)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कहा है कि इस साल के अंत में होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए भारतीय प्रशंसकों को विशेष सुविधा मिलेगी। इसमें सभी पांच वेन्यू पर भारतीय प्रशंसकों के बैठने के लिए इंडिया फैन जोन में बेहतर इंतजाम होंगे। इन स्थलों में मेलबर्न क्रिकेट मैदान (एमसीजी) और सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) भी शामिल हैं। सीए ने कहा, हमारी बहुसांस्कृतिक कार्य योजना के अनुरूप, प्रशंसक क्षेत्र भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के लिए एक समावेशी माहौल को बढ़ावा देंगे और एक रोमांचक माहौल बनाएंगे।

साथ ही कहा कि इंडिया फैन जोन के बारे में अधिक जानकारी जल्द ही दी जाएगी। गौरतलब है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पुरुषों की टेस्ट सीरीज 22 नवंबर को पर्थ में शुरू होगी। वहीं इसके बाद 6 दिसंबर को एडिलेड में एक दिन-रात का टेस्ट मैच खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच 14 दिसंबर को गाबा में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेली जाएगी। इसके बाद एमसीजी में बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच होगा जबकि 3 जनवरी को एससीजी में सीरीज समाप्त होगी।

धोनी की तरह टी20 विश्वकप में भारतीय टीम को जीत दिला सकते हैं रोहित : हरभजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि रोहित शर्मा शर्मा इस बार टी20 विश्वकप में भारतीय टीम को जीत दिला सकते हैं। हरभजन के अनुसार जिस प्रकार महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम ने साल 2007 में टी20 विश्वकप जीत था। उसी प्रकार इस बार रोहित भी भारतीय टीम को जीत दिला सकते हैं पर इसके लिए अन्य खिलाड़ियों को भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। भारतीय टीम ने धोनी की कप्तानी में ही टी20 विश्वकप का पहला सत्र जीता था। इसके बाद से ही टीम दूसरे खिताब का इंतजार कर रही है। टी20 विश्व कप

का आयोजन पहली बार संयुक्त रुप से वेस्टइंडीज और अमेरिका में हो रहा है।

हरभजन ने कहा, 'रोहित अकेले कप नहीं जीत सकते, यह हमारे बारे में है, मेरे बारे में नहीं। आप सभी के साथ से ही जीत हासिल कर सकते हैं।' हरभजन ने यह भी कहा कि आईपीएल की थकान से भी खिलाड़ियों का प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है। उन्होंने कहा कि रोहित और उनकी टीम ये न समझे कि विश्व कप भी आईपीएल एक ही एक विस्तारित हिस्सा है। हरभजन ने विश्व कप के लिए तैयार की जा रही पिचों पर भी अनुमान लगाने से मना कर दिया। उन्होंने कहा, 'पिचों के बारे में कोई नहीं जानता। अभ्यास मैचों से टीम संयोजन के बारे में अंदाजा लग जाएगा।'

मैं अभी कुछ और साल खेलूंगा : रोहित

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि वह अपने 17 साल के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर से खुश हैं। साथ ही कहा कि वह अभी कुछ और साल विश्व क्रिकेट में खेलना चाहते हैं। रोहित ने कहा, भारत के लिए मेरे 17 साल का सफर शानदार रहा है और उम्मीद है कि मैं अभी भी कुछ और साल खेलूंगा और विश्व क्रिकेट पर प्रभाव डालूंगा। साथ ही कहा कि मैंने अपने जीवन में चढ़ाव से

ज्यादा उतार देखे हैं और आज मैं जो भी इंसान हूं, वह अतीत में जो मैंने उतार-चढ़ाव देखा है, उसकी वजह से हूं। रोहित भारत के अब तक के सर्वश्रेष्ठ सलामी बल्लेबाजों में से एक हैं। साल 2007 में अपने डेब्यू से लेकर अबतक उन्होंने हर गुजरते साल के साथ अपने को निखारा है। बड़े-बड़े छक्के लगाने के साथ ही लंबी पारी खेलने में उन्हें महारथ हासिल रही है। उन्होंने कहा कि भारत की कप्तानी करना मेरे लिए गर्व और सम्मान की बात है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि यहां तक पहुंचूंगा और एक दिन टीम की कप्तानी करूंगा। अच्छी चीजें अच्छे लोगों के साथ होती है। जब मैंने टीम की कप्तानी संभाली तो तो मैं एक ही दिशा में आगे बढ़ना चाहता था। एक टीम गेम इसी तरह खेला जाता है इसमें निजी रिकार्ड और उपब्धियों का अधिक महत्व नहीं है। 11 खिलाड़ी मिलकर खेले और ट्रॉफी जीते यही सभी का लक्ष्य होना चाहिए। रोहित ने कहा कि साउथ अफ्रीका की पिचे सबसे ज्यादा मुश्किल रही हैं। उन्होंने कहा कि यहां हर मैदान में आपको अलग-अलग तरीके से टेस्ट देना पड़ता है। दक्षिण अफ्रीका एक कठिन और मुश्किल जगह है। यहां तेज पिच बहुत कुछ करती है। साथ ही कहा कि तेज गेंदबाज डेल स्टेन के खिलाफ खेलना उन्हें अच्छा लगता है।

निशानेबाज मनु भाकर का ओलंपिक चयन ट्रायल्स में दबदबा बरकरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपियन मनु भाकर ने शुक्रवार को यहां 10 मीटर एयर पिस्टल ओलंपिक चयन ट्रायल्स (ओएसटी) में शानदार स्कोर से एशियाई खेलों की पदक विजेता ईशा सिंह की चुनौती पस्त करते हुए पूरी तरह से दबदबा बनाये रखा। मनु ने तीसरे ओएसटी में 241.0 का शानदार स्कोर बनाकर ईशा (240.2) और रिदम सांगवान (220.3) को पछाड़ा। सुरभि राव (199.3) और पलक (179.1) क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रहीं। पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल ओएसटी टी3 फाइनल में नवीन ने 246.8 अंक का स्कोर बनाया जिससे वह मौजूदा विश्व रिकॉर्ड से 0.3 अंक से पीछे रहे। सरबजोत सिंह (242.4) ने दूसरा स्थान हासिल किया। उनके बाद अर्जुन सिंह चीमा (218.8), वरूण तोमर (197.3) और रविंदर सिंह (176.9) क्रमशः तीसरे, चौथे और पांचवें स्थान पर रहे।

रमिता जिंदल महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल फाइनल्स (ट्रायल 3) ने 252.6 अंक का स्कोर बनाया जिससे वह दूसरे स्थान पर रहने वाली ओलंपियन इलावेनिल वलारिवान (252.1) से आगे रहीं। नैन्सी शूट ऑफ में इलावेनिल से पिछड़कर तीसरे स्थान पर रहीं जबकि मेहुली घोष और तिलोत्मा सेन क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रहीं। पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल फाइनल्स में श्री कार्तिक सबरी राज ने 24 शॉट के शूटआउट में बढ़त बनायी। उनके और दिव्यांश सिंह पंवार के समान 252.5 अंक रहे। अर्जुन बबुता (229.9) तीसरे जबकि विश्व चैम्पियन रूद्रांक्ष पाटिल और संदीप सिंह क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रहे। भारत की नंबर एक और विश्व रिकॉर्डधारी सिफत कौर सामरा ने 50 मीटर राइफल थ्री पॉजिशन स्पर्धा के क्वालीफिकेशन दौर (ट्रायल 4) में 593 अंक बनाये जबकि ओलंपियन अंजुम मौदगिल ने 588 का स्कोर बनाया। पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पॉजिशन स्पर्धा में स्थानीय प्रबल दावेदार ऐश्वर्य प्रताम सिंह तोमर ने क्वालीफिकेशन दौर (ट्रायल 4) में लगातार 590 से ज्यादा का स्कोर बनाया।

नीरज ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक 2024 में भाग लेंगे, पीटर्स और वाडलेज्च से मिलेगी टक्कर

भुवनेश्वर । भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा 28 मई को चेकिया में होने वाली ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक 2024 एथलेटिक्स स्पर्धा में भाग लेंगे। इसमें ओलंपिक और विश्व चैम्पियन नीरज को मेजबान खिलाड़ी वाडलेज्च और ग्रेनाडा के पूर्व विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स के टक्कर मिलेगी। पीटर्स को दोहा में तीसरा स्थान मिला था। नीरज के पिछले साल 62वें ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक एथलेटिक्स मीट में भाग लेने की संभावनाएं थीं पर मांसपेशियों में चोट की वजह से वह टूर्नामेंट से बाहर हो गये थे। वहीं वाडलेज्च ने साल 2023 में 81.93 मीटर के थ्रो के साथ ही गोल्डन स्पाइक पुरुषों का भाला फेंक खिताब जीता था। इस स्पर्धा में इटली के मार्सेल जैकब्स, मौजूदा 100 मीटर पुरुष ओलंपिक चैंपियन, जियानमाकर ताम्बरी, पुरुषों की हाई जंप में मौजूदा ओलंपिक सह-चैंपियन और स्वीडिश पोल वॉल्टर मोंडो डुप्लांटिस भी भाग लेंगे। इसके बाद नीरज यूरोप में 18 जून को फिनलैंड के तुकू में पावो नूरमी गेम्स में भाग लेंगे। नीरज पेरिस में होने वाले ओलंपिक में खिताब का बचाव करने उतरेंगे। उन्होंने 11 मई को दोहा डायमंड लीग में अपने सत्र की शुरुआत की और 88.36 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे। नीरज का यह थ्रो टोक्यो 2020 के रजत पदक विजेता जैकब वाडलेज्च के थ्रो से सिर्फ 2 सेमी कम था, जिन्होंने स्वर्ण पदक हासिल किया।

टी20 विश्वकप में नेपाल के दीपेंद्र पर भी रहेंगी नजरें

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी टी20 विश्वकप में इस बार नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी पर भी नजरें रहेंगी। टी20 विश्वकप एक जून से अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में पहली बार 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं जिन्हें पांच-पांच टीमों के चार ग्रुप में बांटा गया है। इन्हीं में से एक नेपाल टीम में शामिल दीपेंद्र अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण चर्चाओं में आये हैं। दीपेंद्र के नाम पर एक ओवर में 6 छक्के लगाने और टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे कम 9 गेंदों पर अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड है।

दीपेंद्र ने गत माह 13 अप्रैल को टी20 में एक ओवर में 6 छक्के लगाने के भारत के युवराज सिंह और वेस्टइंडीज के किरोन पोलार्ड के रिकॉर्ड की बराबरी की थी। ऐरी ने एसीसी प्रीमियर कप 2024 के अंतर्गत अल अमीरात में कतर के खिलाफ मैच में कामरान खान के ओवर में यह 6 छक्के लगाये थे। उन्होंने महज 21 गेंदों पर नाबाद 64 रन बनाते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया था। टी20 में युवराज ने इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड (टी20 वर्ल्डकप 2007) और 2021 में पोलार्ड ने श्रीलंका के अकिला धनंजय के ओवर में छह छक्के लगाए थे. कतर के खिलाफ इस पारी के दौरान दीपेंद्र ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में दूसरी बार 6 गेंदों पर लगातार 6 छक्के लगाने की उपलब्धि हासिल की थी। इससे पहले दीपेंद्र ने 2023 एशियाई खेलों में मंगोलिया के खिलाफ मैच में भी लगातार 6 गेंदों पर छक्के लगाये हैं। लगातार 6 गेंदों पर उनके यह छह छक्के, दो ओवर के दौरान आए थे। यही नहीं हांगझू में एशियाई खेलों में उन्होंने सबसे कम गेंदों पर अर्धशतक जड़ने का रिकॉर्ड भी बनाया था। उन्होंने केवल 9 गेंदों पर 50 रन पूरे करते हुए युवराज सिंह के 12 गेंदों पर अर्धशतक

बनाने के रिकॉर्ड को तोड़ा था।

शारजाह मास्टर्स शतरंज : अरविंद की तीसरी जीत सयुंक्त बढ़त पर सलेम , और नीमन भी जीते

शारजाह (निकलेश जैन) एशिया के सबसे मजबूत इंटरनेशनल ग्रांड मास्टर टूर्नामेंट शारजाह मास्टर्स के तीसरे राउंड के बाद भारत के अरविंद चितांबरम , यूएसए के नीमन हंस मोके और यूएई के सलेम सालेह अपने तीनों मैच जीतकर सयुंक्त बढ़त पर चल रहे है ।आज खेले गए मुकाबलों में रूस के युवा खिलाड़ी मुरजिन वोलोदर नें ईरान के अमीन तबातबाई को ड्रॉ पर रोक लिया पर दूसरे बोर्ड से चौथे बोर्ड पर लगातार परिणाम सामने आए , दूसरे बोर्ड पर यूएई के सालेम सालेह नें रोमानिया के व्लादिमीर फेडोसीव को तो तीसरे बोर्ड पर नीमन हंस मोके नें ग्रीस के निकोलस थेओड़ोरौ को पराजित किया ।तीसरे बोर्ड पर भारत के अरविंद चितांबरम नें दुबई पोलिस ओपन के बाद शारजाह मास्टर्स में भी अपनी लय को बरकरार रखा है और उन्होने पोलैंड के मरसिन क्र्ज़ोनवीसकी को पराजित करते हुए जीत की है ट्रिक लगा ली है ।इस जीत के बाद अरविंद अब फीडे रेटिंग में 2693 अंको पर पहुँच गए है और वह शतरंज में जादुई नंबर माने जाने वाले 2700 अंको से सिर्फ 7 अंक दूर है ।अन्य भारतीय खिलाड़ियों में आज पांचवें बोर्ड पर अभिमन्यु पौराणिक नें भी शानदार परिणाम हासिल करते हुए ईरान के नंबर एक खिलाड़ी परहम मघसूदलू को पराजित कर दिया और फिलहाल 2.5 अंको के साथ सयुंक्त दूसरे स्थान पर चल रहे है ।टूर्नामेंट के टॉप सीड और विश्व के नंबर 8 खिलाड़ी भारत के अर्जुन एरिगैसी नें दूसरे राउंड में मिली हार के बाद वापसी करते हुए जॉर्जिया के निकोलोगी कचरवा को पराजित किया ।

कभी क्रिकेटर बनना चाहते थे छेत्री, फीफा ने इन पर फिल्म बनाई है 'कैप्टन फैंटास्टिक'

नई दिल्ली (एजेंसी)। फुटबॉल की अंतरराष्ट्रीय संस्था फीफा ने गुरुवार को अपने अधिकृत सोशल मीडिया हैंडल से क्रिस्टियानो रोनाल्डो, लियोनेल मेसी और सुनील छेत्री की तस्वीर शेयर की है। जिस पर लिखा है %रिटायरिंग एज ए लीजेंड%। फीफा ने यह तस्वीर भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री के सम्मान में जारी की है। छेत्री ने गुरुवार को घोषणा की है कि वे अगले माह अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले लेंगे। छेत्री भले ही आज देश के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर हों, लेकिन बचपन में वे क्रिकेटर बनना चाहते थे।

हालांकि परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण पिता ने महंगी क्रिकेट किट दिलाने में असमर्थता जता दी। इसलिए उन्होंने फुटबॉल खेलना शुरू कर दिया। खराब आर्थिक स्थिति का आलम यह था कि उन्हें फटे हुए फुटबॉल शूज सिलकर पहनने पड़ते थे। खेल के प्रति जुनूनी छेत्री ने इसका तोड़ भी खेल से ही निकाल लिया। दिल्ली के धौलाकुआं स्थिति आर्मी पब्लिक स्कूल में पढ़ाई के दौरान माइलो टूनमिंट प्रतियोगिता शुरू हुई। सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को 1500 रुपए कीमत के स्पोर्ट्स शूज दिए गए। प्रतियोगिता तीन साल चली। सुनील हर बार श्रेष्ठ खिलाड़ी रहे। पर हर साल 750-750 के दो जोड़ी शूज लिए, जिसमें से हर साल एक जोड़ी शूज पिता को गिफ्ट कर दिए।

शुरुआत: विरासत में फुटबॉल, माता-पिता दोनों रहे फुटबॉलर

सुनील छेत्री का जन्म तत्कालीन आंध्र प्रदेश के सिकंदराबाद में केबी छेत्री और सुशीला छेत्री के घर हुआ था। उनके पिता आर्मी की मी की इंजीनियरिंग शाखा में थे जबकि मां गृहणी थीं। सुनील को फुटबॉल विरासत में मिली है। दरअसल पिता फुटबॉल खिलाड़ी थे और सेना की फुटबॉल टीम के लिए खेलते थे जबकि उनकी मां नेपाल की महिला राष्ट्रीय टीम में फुटबॉल खेल चुकी थीं। छेत्री के पांच मामा थे और सभी फुटबॉलर थे। यानी फुटबॉल खेलना उनके खून में था। उनके बारे में एक रोचक किस्सा है। एक बार उनकी मां ने कुछ गुब्बारे लेकर घर पर रखे थे। छेत्री ठीक से खड़े भी नहीं हो पाते थे बावजूद उसके उन्होंने खड़े होकर गुब्बारे को किक किया था। यह देख माता-पिता दोनों आश्चर्य चकित हो गए। उनकी एक बहन भी है, जिसका नाम बंदना छेत्री है। उन्होंने अपने कोच की बेटी से शादी की है।

करियर : सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले दुनिया के चौथे खिलाड़ी

सुनील छेत्री ने 2001-02 में दिल्ली के स्थानीय क्लब सिटी क्लब से करियर शुरू किया। यहीं कोलकाता के मोहन बागान एथलेटिक क्लब की नजर उन पर पड़ी। इसके बाद 2002 में मात्र 17 साल की उम्र में मोहन बागान के साथ प्रोफेशनल करियर की शुरुआत की। 2005 में पाकिस्तान के खिलाफ राष्ट्रीय टीम के लिए डेब्यू किया। उनका पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट 2007 में नेहरू क्लब था। इसमें भारत ने कंबोडिया को 6-0 से हराया। वर्तमान में सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल के मामले में वे दुनिया चौथे खिलाड़ी हैं जबकि सक्रिय खिलाड़ियों के मामले में उनसे आगे केवल पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो (128 गोल) और अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी (106 गोल) ही हैं। सुनील छेत्री के 94 गोल हैं। अंतरराष्ट्रीय मंच पर वह 2008 में एएफसी चैलेंज कप, 2011 और 2015 में एसएएफएफ चैंपियनशिप, 2007, 2009 और 2012 में नेहरू कप के साथ-साथ 2017 में इंटरकांटिनेंटल कप में खिताब जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं।

रोचक/उपलब्धि: खेल रत्न पाने वाले एकमात्र फुटबॉलर

-फीफा ने पिछले साल उन पर 'कैप्टन फैंटास्टिक नामक एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म का निर्माण किया था, जो फीफा चैनल पर उपलब्ध है।

-एक मात्र भारतीय फुटबॉलर हैं जिन्हें खेल रत्न प्रदान किया गया है। यह सम्मान 2021 में मिला था।

-उन्होंने रिकॉर्ड 7 बार 2007, 2011, 2013, 2014, 2017, 2019 और 2022 में ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) का प्लेयर ऑफ द ईयर अवॉर्ड जीता है।

-सुनील छेत्री अंग्रेजी, हिंदी, नेपाली, बंगाली और कन्नड़ भाषा धारा प्रवाह बोल लेते हैं। इसके अलावा वे तेलगू, मराठी और कोंकणी भाषा भी कुछ-कुछ समझ लेते हैं।

-अंतरराष्ट्रीय 86 गोल पूरा करने के बाद उन्होंने गोद में फुटबॉल को छिपाकर पत्नी के गर्भवती होने की जानकारी दर्शकों को रोचक अंदाज में दी थी।

एयर इंडिया पर मौलिक अधिकार उल्लंघन का कोई मामला नहीं बनता: सुप्रीम कोर्ट

शीर्ष अदालत ने बॉम्बे हाई कोर्ट के 20 सितंबर, 2022 के फैसले के खिलाफ दायर अपील खारिज की

नई दिल्ली । देश की शीर्ष अदालत ने एयर इंडिया को लेकर एक महत्वपूर्ण निर्णय दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने 16 मई को कहा कि जनवरी 2022 में एयर इंडिया के डिसइनवेस्टमेंट और टाटा ग्रुप द्वारा उसे टेकओवर करने के बाद एयर इंडिया लिमिटेड संविधान के ऑर्टिकल 12 के तहत राज्य या इसकी इकाई नहीं रही, इसीलिए इसके खिलाफ मौलिक अधिकार उल्लंघन का मामला नहीं बनता है। शीर्ष अदालत ने बॉम्बे हाई कोर्ट के 20 सितंबर, 2022 के फैसले के खिलाफ दायर अपीलों को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने वेतन में कथित स्थिरता, कर्मचारियों की पदोन्नति, वेतन संशोधन के भुगतान में देरी और बकाये को लेकर एआईएल के कुछ कर्मचारियों द्वारा दायर चार रिट पीटिशन का निपटारा किया। शीर्ष अदालत ने कहा कि हाईकोर्ट के सामने रिट पीटिशन में संविधान के ऑर्टिकल 14, 16 और 21 के उल्लंघन का दावा किया गया था। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि इसमें कोई विवाद नहीं है कि भारत सरकार ने अपनी 100 प्रतिशत हिस्सेदारी टैलेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को हस्तांतरित कर दी है, जिससे निजी इकाई पर कोई प्रशासनिक नियंत्रण नहीं रह गया है। पीठ ने कहा कि डिसइनवेस्टमेंट के बाद एयर इंडिया संविधान के अनुच्छेद 12 के तहत एक राज्य या इसका साधन नहीं रह गया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि हाईकोर्ट के सामने रिट पीटिशन दायर करने की तिथि पर एआईएल एक सरकारी इकाई थी और पीटिशंस पर काफी देरी के बाद निर्णय लिया गया, तब तक कंपनी का डिसइनवेस्टमेंट हो चुका था और एक निजी कंपनी ने इसका टेकओवर कर लिया था। भारतीय संविधान का ऑर्टिकल 12 एक महत्वपूर्ण प्रावधान है जो राज्य शब्द को परिभाषित करता है। ऑर्टिकल 12 उन संस्थाओं को निर्धारित करता है जो इसके दायरे में आती हैं। यह इस बात पर स्पष्टता प्रदान करता है कि संविधान के भाग 3 में निहित मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। ऑर्टिकल 12 की सर्वोच्च न्यायालय द्वारा व्यापक रूप से व्याख्या की गई है।

महिंद्रा करेगी 37,000 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली ।

वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी वाहनों का अपना काफिला बढ़ाने की तैयारी में है। कंपनी की योजना 2030 तक पेट्रोल-डीजल से चलने वाले 9 एसयूवी, 7 इलेक्ट्रिक वाहन और 7 हल्के वाणिज्यिक वाहन लाने की है। उसने वित्त वर्ष 2025 से वित्त वर्ष 2027 तक वाहन कारोबार पर 27,000 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बनाई है। अगले तीन साल में कंपनी कुल 37,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इसमें से 5-5 हजार करोड़ रुपये कृषि कारोबार और सेवा कारोबार में लगाए जाएंगे। महिंद्रा ऐंड महिंद्रा के निदेशक मंडल ने ईवी कंपनी महिंद्रा इलेक्ट्रिक ऑटोमोबाइल पर 12,000 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव मंजूर कर दिया। कंपनी अगले तीन साल में ईवी तैयार करने पर यह रकम खर्च करेगी। महिंद्रा ऐंड महिंद्रा के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि पूरी तरह महिंद्रा द्वारा ही तैयार पहला ईवी वर्ष 2025 की पहली तिमाही में सड़कों पर दौड़ने लगेगा। उन्होंने कहा कि 2027 तक कंपनी की कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी 20 से 30 फीसदी हो जाएगी। महिंद्रा की ईवी इकाई में ब्रिटिश इंटरनैशनल इन्वेस्टमेंट ने 1,200 करोड़ रुपये और टेमासेक ने 300 करोड़ रुपये लगाए हैं। टेमासेक ने पिछले साल अगस्त में कंपनी में 1,200 करोड़ रुपये के निवेश का ऐलान किया था। महिंद्रा ऐंड महिंद्रा ने कहा कि बाकी 900 करोड़ रुपये भी तय समय के भीतर निवेश कर दिए जाएंगे।

मर्सिडीज-बेंज की दो नई कारें 22 मई को देगी बाजार में दस्तक

मुंबई ।

मर्सिडीज-बेंज नई मायबाक जीएलएस 600 और एएमजी एस 63 4मैटिक ई प्रोफोमेशन लेकर आ रही है। इन दोनों कारों को कंपनी 22 मई को लांच करेगी। दोनों गाड़ियों की कीमत 3 से 3.5 करोड़ रुपये के बीच हो सकती है। नई मायबाक जीएलएस 600 में मौजूदा मॉडल की तुलना में बदलाव देखने को मिलेंगे। इसमें बड़ी क्रोम स्लैट्स के साथ ग्रिल, नया फ्रंट बंपर और एलईडी पैटर्न के साथ हेडलैंप और टेल लैंप और नए 22-इंच के पहिए मिलने वाले है। वहीं नया स्टीयरिंग व्हील, ड्यूल-स्क्रीन डिस्प्ले, रियर इंफोटेनमेंट स्क्रीन, 27-स्पीकर बर्मेस्टर साउंड सिस्टम और एम्बिएंट लाइटिंग जैसे फीचर्स मिलेंगे। इंजन की बात करें तो इस गाड़ी में 4.0-लीटर, ट्विन-टर्बोचार्ज्ड वी8 पेट्रोल इंजन दिया जाएगा, जो 557एचपी की पावर और 730एनएम का टॉर्क पैदा करने में सक्षम है। इस 48-वोल्ट की मोटर और 9-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स से जोड़ा जाएगा।नई एएमजी एस 63 में 4.0-लीटर, ट्विन-टर्बोचार्ज्ड, वी 8 पेट्रोल इंजन मिलेगा, जिसे रियर-एक्सल-माउंटेड एसिंक्रोनस इलेक्ट्रिक मोटर और 13.1 किलोवाट प्रतिघंटा लिथियम-आयन बैटरी से जोड़ा गया है। यह 802एचपी की पावर और 1,430एनएम का टॉर्क देता है। इस गाड़ी का मुख्य आकर्षण सेल्फ-लेवलिंग एक्टिव एयर सस्पेंशन है, जिसे एएमजी राइड कंट्रोल+ कहा जाता है। कार की केवल इलेक्ट्रिक रेंज भी 33 किमी है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बड़ा बदलाव नहीं

नईदिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत 83 डॉलर प्रति बैरल पर बनी हुई है। हालांकि, क्रूड में जारी तेजी और मंदी का पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर ज्यादा असर देखने को नहीं मिल रहा है। शुक्रवार को भी देश भर के अलग-अलग शहरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है।

हालांकि आंध्रा प्रदेश, गुजरात, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश समेत कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल महंगा हुआ है। वहीं गोवा, झारखंड, केरल, महाराष्ट्र और पंजाब में ईंधन दाम कम हुए हैं।

उधर नोएडा और चंडीगढ़ में लगातार दूसरे दिन पेट्रोल-डीजल के दाम में कटौती हुई है। शुक्रवार को दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर है,

मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.15 रुपये प्रति लीटर है, कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर है, चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है, वहीं नोएडा में पेट्रोल 94.71 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.96 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 94.80 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.05 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 99.84 रुपये प्रति लीटर और डीजल 85.93 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.65 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 101.30 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.56 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर है।

संयुक्त राष्ट्र का विश्व अर्थव्यवस्था 2024 में 2.7 फीसदी वृद्धि का अनुमान

संयुक्त राष्ट्र । संयुक्त राष्ट्र ने विश्व अर्थव्यवस्था के 2024 में 2.7 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान लगाया है। यह अमेरिका और ब्राजील, भारत तथा रूस सहित कई उभरती अर्थव्यवस्थाओं में बेहतर प्रदर्शन की ओर भी संकेत करता है। संरा के वैश्विक आर्थिक स्थिति एवं संभावनाएं 2024 के मध्य-वर्ष के ताजा अनुमानों के अनुसार, विश्व अर्थव्यवस्था इस वर्ष 2.7 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। जनवरी की रिपोर्ट में उसने इसके 2.4 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान लगाया था। रिपोर्ट में कहा गया, 2025 में 2.8 प्रतिशत तक की वृद्धि की उम्मीद है। 2024 की 2.7 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान 2023 में वृद्धि के बराबर है, हालांकि 2020 में कोविड-19 वैश्विक महामारी शुरू होने से पहले की तीन प्रतिशत की वृद्धि दर से कम है। संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक विश्लेषण व नीति प्रभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रिपोर्ट पेश करते हुए संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हमारा अनुमान महत्वपूर्ण चेतावनियों के साथ आशावाद से भरा है। रिपोर्ट में लंबी अवधि तक ऊंची ब्याज दरों, कर्ज चुकाने की चुनौतियों, जारी भू-राजनीतिक तनाव तथा खासकर दुनिया के सबसे गरीब देशों व छोटे द्वीप देशों के लिए जलवायु जोखिमों की ओर इशारा किया गया है। उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति जो 2023 के अपने चरम से नीचे है वैश्विक अर्थव्यवस्था की अंतर्निहित कमजोरी का एक कारक है। संयुक्त राष्ट्र के ताजा अनुमान के अनुसार, 2024 में अमेरिका में 2.3 प्रतिशत की वृद्धि होगी, जो वर्ष की शुरुआत में 1.4 प्रतिशत के अनुमान से अधिक है। चीन के लिए जनवरी में 4.7 प्रतिशत के मुकाबले 4.8 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। मध्य वर्ष के ताजा आंकड़ों में भारत के लिए 6.9 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि का अनुमान इस साल जनवरी में संयुक्त राष्ट्र द्वारा लगाए गए 6.2 प्रतिशत की वृद्धि दर के अनुमान से अधिक है।

भारत में सीबी 1000 हॉर्नेट जल्द देगी दस्तक

-बाइक डिजाइन कराया पेटेंट

नई दिल्ली । भारत में होंडा कंपनी ने होंडा सीबी 1000 हॉर्नेट बाइक का डिजाइन पेटेंट करवाया लिया है। इस बाइक का पिछले साल अंतरराष्ट्रीय बाजार अनावरण किया गया था। होंडा सीबी 1000 हॉर्नेट कीमत लगभग 15 लाख रुपये एक्स-शोरूम होने की उम्मीद है। होंडा सीबी 1000 हॉर्नेट में 999सीसी, इनलाइन 4-सिलेंडर इंजन मिलेगा, जो 147बीएचपी की पावर और 100 एनएम का टॉर्क पैदा करता है। इसे 6-स्पीड गियरबॉक्स से जोड़ा जाएगा। वहीं ब्रेकिंग के लिए आगे ड्यूल और पीछे सिंगल डिस्क ब्रेक के साथ 17-इंच के व्हील्स मिलेंगे। अपकमिंग बाइक में थ्रॉटल-बाय-वायर सिस्टम, एलईडी प्रोजेक्टर हेडलाइट, 5-इंच की टीएफटी डिस्प्ले और 3 राइड मोड सुविधाएं मिलेंगी। यह एंड्रॉयड और आईओएस दोनों उपकरणों के लिए कनेक्टिविटी सुविधाओं के साथ आएगी, जिन्हें होंडा रोडसिंक के माध्यम से जोड़ा जा सकता है। इसमें आगे शोवा फोक्र्स मिलेगा, जबकि पीछे प्रो-लिंक शोवा शॉक एब्जॉर्बर की सुविधा होगी।मालूम हो कि होंडा सीबी 1000 हॉर्नेट एक दमदार स्ट्रीट फाइटर मोटरसाइकिल है, जो तेज रफ्तार के शौकीनों के लिए बेस्ट है।

उप्र मध्य रेल ने जांच अभियान में 3 लाख का रेल राजस्व कमाया

- स्टेशन से गुजरने वाली 6 से अधिक ट्रेनों के सभी कोचों की जांच की गई

नई दिल्ली । उत्तर मध्य रेलवे द्वारा बिना टिकट यात्रा करने वालों के खिलाफ ललितपुर स्टेशन में आरपीएफ व जीआरपी स्टाफ के द्वारा संयुक्त रूप से घेराबंदी कर टिकट जांच अभियान चलाया गया। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि जांच अभियान में ललितपुर स्टेशन के सभी प्लेटफार्म, वेटिंग रूम, खानपान स्टॉल चेक किए गए व स्टेशन से गुजरने वाली 6 से अधिक ट्रेनों के सभी कोचों की जांच की गयी। महिला व दिव्यांग कोच भी शामिल रहे। इस दौरान स्टेशन पर बिना टिकट यात्रा, अनियमित यात्रा, बिना बुक लगेज, धूम्रपान एवं गंदगी फैलाने वाले कुल 426 मामले पकड़े गए, जिनसे 3 लाख से अधिक का रेल राजस्व अर्जित किया गया। इन्हीं में से एक यात्री से टीटी ने टिकट मांगा तो उसने कहा कि ट्रेन की यात्रा उसने नहीं की, उससे टिकट पूछा गया तो जवाब दिया कि जिस ट्रेन में सवार होंगे, उसी में टिकट ले लेंगे। उसका यह जवाब सुनकर टीटी हंसी नहीं रोक पाए। हालांकि इसके बाद उससे जुर्माना वसूला गया। रेलवे सुरक्षा बल, मऊ एवं अपराध आसूचना शाखा, वाराणसी द्वारा कोपागंज बाजार, मऊ स्थित एक दुकान से ई-टिकटों के अवैध कारोबार में संलिप्त दुकान संचालक को व्यक्तिगत यूजर आईडी पर बने 23 ई-टिकटों के साथ गिरफ्तार किया गया।

असुरक्षित कर्ज पर एनबीएफसी के लिए ठीक नहीं ज्यादा निर्भरता: डिप्टी गवर्नर

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे ने कहा है कि असुरक्षित माने जाने वाले कर्ज और पूंजी बाजार वित्तपोषण पर अत्यधिक निर्भरता लंबे समय में गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के लिए समस्या उत्पन्न कर सकती हैं। स्वामीनाथन ने आरबीआई के हाल ही में आयोजित एक सम्मेलन में गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के आश्वासन कार्यों प्रमुखों को संबोधित करते हुए उधार के बारे में निर्णय लेने के लिए एल्गोरिदम पर अत्यधिक निर्भरता को लेकर भी चेतावनी दी। उन्होंने नियमों की अनदेखी करने के लिए नियमों के बुद्धिमतापूर्ण विश्लेषण के रुख पर आरबीआई की निराशा को भी सार्वजनिक किया। उन्होंने इसे वित्तीय प्रणाली के लिए महत्वपूर्ण जोखिम बताया। स्वामीनाथन ने कहा कि कुछ उत्पादों या असुरक्षित ऋण जैसे क्षेत्रों के लिए जोखिम काफी ज्यादा हैं और यह लंबे समय तक टिकने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि ज्यादातर एनबीएफसी में एक ही काम करने की इच्छा है। जैसे कि खुदरा असुरक्षित ऋण, टॉप अप ऋण अथवा पूंजी बाजार वित्तपोषण। ऐसे उत्पादों पर अत्यधिक निर्भरता बाद में समस्या उत्पन्न कर सकती है। स्वामनाथन ने एल्गोरिदम आधारित कर्ज देने के मुद्दे पर कहा कि कई संस्थाएं बही-खातों में तेजी से वृद्धि के लिए नियम-आधारित क्रेडिट का रुख कर रही हैं। हालांकि, स्वचालन दक्षता को बढ़ा सकता है, पर एनबीएफसी को ऐसे मॉडल से खुद को बांधना नहीं चाहिए। यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि नियम-आधारित कर्ज देने की व्यवस्था केवल उतने ही प्रभावी हैं जितने कि आंकड़े और मानदंड जिनपर वे बनाए गए हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 253 अंक, निफ्टी 62 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को भी लगातार दूसरे दिन बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी से आई है। आज कारोबार के दौरान व्यापक बाजारों ने बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों के साथ बेंचमार्क इंडेक्स को पीछे छोड़ दिया। यह एक फीसदी से ज्यादा की बढ़त लेकर बंद हुए। इसी के साथ ही दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स 253.31 अंक करीब 0.34 फीसदी बढ़कर 73,917.03 अंक पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 62.25 अंक तकरीबन 0.28 फीसदी की हल्की बढ़त के साथ ही 22,466.10 अंक पर बंद हुआ।

बेंचमार्क इंडेक्स कल शनिवार 18 मई को स्पेशल ट्रेडिंग सेशन के लिए खुले रहेंगे। एनएसई किसी भी हादसे से निपटने की योजना के तहत ही टेस्टिंग करेगा। इस शनिवार को विशेष सत्र दो भागों में होगा। पहला विशेष सत्र सुबह 9:15 बजे शुरू होगा और 10 बजे तक चलेगा। वहीं दूसरा सत्र 11:45 बजे से शुरू होकर दोपहर 1 बजे तक जारी रहेगा। वहीं गत दिवस भी बाजार बढ़त पर बंद हुआ था।

वहीं इससे पहले आज सुबह

एशियाई सूचकांकों में कमजोरी की वजह से बाजार में गिरावट देखने को मिली। बाजार खुलते ही प्रमुख इंडेक्स लाल निशान में कारोबार करते दिखे। एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 58 अंक की गिरावट के साथ 73,613 पर खुला, जबकि निफ्टी 50 17 अंक की गिरावट के साथ 22,387 पर कारोबार करता दिखा। टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, एसबीआई, कोटक बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट के बाद एमएंडएम ने सेंसेक्स पर 7 फीसदी की बढ़त हासिल की। वहीं एक्सिस बैंक, सन फार्मा, इंडसइंड बैंक, एशियन पेंट्स, इंफोसिस, रिलायंस, बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक और एचयूएल के शेयरों में गिरावट दिखी।

वीआई का घाटा चौथी तिमाही में बढ़कर 7,675 करोड़

मुंबई । कर्ज में फंसी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआई) का घाटा मार्च, 2024 को समाप्त तिमाही में बढ़कर 7,675 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से ब्याज और वित्तीय लागत बढ़ने से कंपनी का घाटा बढ़ा है। कंपनी को एक साल पहले 2022-23 की इसी तिमाही में 6,419 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। वोडाफोन आइडिया ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी एकीकृत आय आलोच्य तिमाही में करीब 10,607 करोड़ रुपये रही। पूरे वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का घाटा बढ़कर 31,238.4 करोड़ रुपये रहा जो एक साल पहले 29,301.1 करोड़ रुपये था। कंपनी की परिचालन आय इस दौरान मामूली 1.1 प्रतिशत बढ़कर 42,651.7 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले 2022-23 में 42,177.2 करोड़ रुपये थी। वोडाफोन आइडिया की प्रति उपभोक्ता औसत कमाई (एआरपीयू) सालाना आधार पर 7.6 प्रतिशत बढ़कर 146 रुपये रही। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि हमने लगातार 11 तिमाहियों में प्रति उपभोक्ता औसत आय और 4जी ग्राहकों में वृद्धि दर्ज की है। लगभग 215 अरब रुपये (21,500 करोड़ रुपये) का हमारा इक्विटी फंड हमें अपने 4जीका विस्तार करने के साथ-साथ उद्योग के विकास के अवसरों में प्रभावी ढंग से भाग लेने के लिए 5जी सेवाओं को शुरू करने में सक्षम बनाएगा। उन्होंने बयान में कहा कि हम अपनी समग्र नेटवर्क विस्तार योजना के क्रियान्वयन के लिए कर्ज को लेकर अपने वित्तीय संस्थानों के साथ काम कर रहे हैं।

एथेनॉल में गन्ने की खपत बढ़ने से गुड़ में तेजी के आसार

नई दिल्ली ।

एथेनॉल में गन्ने की खपत बढ़ने तथा उत्पादन कम होने से गुड़ में फिलहाल मंदी के आसार समाप्त हो गए हैं। बारिश की कमी के चलते चालू पेराई सत्र में गन्ने का उत्पादन पूर्व वर्ष के मुकाबले करीब 20 फीसदी कम होने का अनुमान है। इसे देखते हुए गुड़ में और तेजी के आसार बन सकते हैं। जानकारों का कहना है कि एथेनॉल में बढ़ती खपत को देखते हुए ऐसा आभास हो रहा है कि आगे चलकर वर्तमान भाव के गुड़ में भरपूर लाभ मिलेगा। गुड़ बनने का सीजन लगभग समाप्त हो चुका है। ध्यान रहे पिछले साल गन्ने के उत्पादन में 4 प्रतिशत की कमी आई थी। परिणामस्वरूप कोल्ड स्टोरों में गुड़ का पुराना स्टॉक कम बचा था। वहीं इसकी खपत एथेनॉल में बढ़ी है। फलस्वरूप पाइप लाइन में नए एवं पुराने माल की उपलब्धि कम है। बता दें इस साल गुड़ का अधिक स्टॉक नहीं हुआ है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश की मुजफ्फरनगर मंडी में प्रतिदिन करीब 3 हजार कट्टे गुड़ आ रहा है, जो कि पिछले वर्ष के मुकाबले कम है। इस बीच पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बागपत, बड़ौद, शामली, सहारनपुर, सरसावा के साथ-साथ हापुड़, मेरठ, परतापुर तथा मोहिउद्दीनपुर सहित पूर्वी उत्तर प्रदेश की मंडियों में भी गुड़ की आवक का दबाव समाप्त हो चुका है। उधर मध्य प्रदेश में कम मिठास वाले

गुड़ की आपूर्ति भी इस बार कम हो रही है। आंध्र प्रदेश, कर्नाटक एवं महाराष्ट्र की मंडियों में भी नए गन्ने का आवक दबाव पिछले साल की तुलना में कम है। इन सभी कारणों को देखते हुए पिछले साल 78 लाख टन गुड़ उत्पादन के मुकाबले इस बार करीब 65 लाख टन से अधिक की संभावना नहीं है।

इंटीग्रीमेडिकल में 20 फीसदी हिस्सेदारी प्राप्त करेगी एसआईआई

नई दिल्ली ।

टीका बनाने वाली सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने इंटीग्रीमेडिकल में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी प्राप्त करने की शुक्रवार को घोषणा की। एसआईआई ने कहा कि इंटीग्रीमेडिकल ने एक अमेरिकी पेटेंट इंजेक्शन सिस्टम (एन-एफआईएस) विकसित किया है जिसमें टीका लगाने के लिए सुई की जरूरत नहीं होती। कंपनी ने हालांकि लेन-देन के वित्तीय विवरण का खुलासा नहीं किया। एसआईआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इंटीग्रीमेडिकल का एन-एफआईएस दवा वितरण में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करता है। हम बिना सुई के टीका लगाने का लक्ष्य रखते हैं। हमारा मानना है कि यह संभावित रूप से हमारे टीके लगाने के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है, जिससे यह प्रक्रिया रोगियों तथा स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के लिए अधिक सरल होगी। अे धिकारी ने कहा कि यह निवेश हमारी सुई-मुक्त टीका प्रणाली प्रौद्योगिकी की क्षमता और दवा वितरण में क्रांतिकारी बदलाव लाने की क्षमता का प्रमाण है। टीका निर्माण तथा वैश्विक वितरण में एसआईआई की विशेषज्ञता अमूल्य होगी क्योंकि हम अपनी प्रौद्योगिकी को दुनिया भर के मरीजों के लिए अधिक सरल बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं।

विक्रम सोलर को गुजरात में मिला सौर मॉड्यूल आपूर्ति का ठेका

नई दिल्ली । विक्रम सोलर को गुजरात में एनटीपीसी की खावड़ा परियोजना के लिए 397.7 मेगावाट सौर मॉड्यूल आपूर्ति का ठेका मिला है। कंपनी के एक बयान में कहा गया कि विक्रम सोलर ने एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड से 397.7 मेगावाट मॉड्यूल आपूर्ति का ठेका हासिल किया है। मॉड्यूल गुजरात में 1,255 मेगावाट खावड़ा सौर परियोजना के एक महत्वपूर्ण हिस्से को बिजली देंगे। बयान में कहा गया कि यह परियोजना घरेलू सामग्री आवश्यकता (डीसीआर) के साथ पूरी तरह से मेल खाती है और भारत की घरेलू सौर विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने के लिए कंपनी के समर्पण को और मजबूत करती है। विक्रम सोलर के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने कहा कि एनटीपीसी के लिए कई सौर परियोजनाओं के हमारे सफल निष्पादन ने एक गहरा विश्वास उत्पन्न किया है, जो उत्कृष्टता के प्रति साझा प्रतिबद्धता पर आधारित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः **जितेन्द्र चौधरी**, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in